दैनिक
इंटीग्रेटेड ट्रेड
डेवलपमेंट सेंटर न्यूज

आईटीडीसी इंडिया ईप्रेस | 2018 में स्थापित | ITDCNEWS.COM

आरएनआई नं.
MPHIN/2018/77221
डाक पंजीयन नं.
MP/BHOPAL/4-504/2020-22

वर्ष-5 अंक-178, भोपाल, शुक्रवार 13 मई 2022, पृष्ठ-8, मूल्य-2 रुपए

सुविचार

"मैंने यह पाया है कि यदि आप जिंदगी को प्यार करते हैं, तो जिंदगी भी आपको प्यार करती है।"
- आर्थर रूबिन्स्टीन

'ताजमहल किसने बनवाया, जाओ पहले पढ़ो', याचिकाकर्ता को हाई कोर्ट की फटकार

ज्ञानवापी पर फैसला: 17 मई से पहले दोबारा सर्वे, कोर्ट कमिश्नर नहीं बदलेगा, सर्वेक्षण होगा

नई दिल्ली। विश्वनाथ मंदिर से सटी ज्ञानवापी मस्जिद मामले में सर्वे के लिए नियुक्त कोर्ट कमिश्नर को बदलने की मांग वाली याचिका पर गुरुवार को फैसला आ गया। कोर्ट ने 17 मई से पहले दोबारा सर्वे का आदेश दिया है। कोर्ट कमिश्नर भी नहीं बदला जाएगा। लगातार तीन दिन तक दोनों तरफ की बहस के बाद बुधवार को सिविल जज (सीनियर डिविजन) की अदालत में फैसला सुरक्षित कर लिया था।

कोर्ट ने आदेश दिया है कि मस्जिद समेत पूरे परिसर का सर्वे होगा। कोर्ट कमिश्नर की कार्यवाही जारी रहेगी। कोर्ट कमिश्नर अजय मिश्र को नहीं बदला जाएगा। विशाल सिंह को विशेष कमिश्नर बनाया गया है। जो पूरी टीम का नेतृत्व करेंगे। उनके साथ अजय प्रताप सिंह को भी शामिल किया गया है।

सर्वे होने तक प्रतिदिन 4 घंटे चलेगी कमीशन की कार्यवाही

अदालत ने आदेश दिया है कि कोर्ट कमिश्नर वादी विपक्षी व अन्य अन्य जरूरी लोगों के साथ मौके पर सुबह 8 से दोपहर 12 बजे तक प्रतिदिन सर्वे होने तक कमीशन की कार्यवाही पूर्ण कर आएंगे। उन्होंने कहा कि 17 मई से पहले या कार्यवाही पूरी कर नियत तिथि पर अदालत में रिपोर्ट पेश करेंगे।

पुलिस व प्रशासन गंभीर रहता तो आज सर्वे पूरी हो गई होती

अदालत ने जिला प्रशासन व पुलिस के अधिकारियों की कार्यशैली पर सवाल उठाते हुए नाराजगी भी जताई। आदेश में कहा कि यदि मौके पर मस्जिद के अंदर प्रवेश करने के दौरान पुलिस व प्रशासन का सहयोग मिला होता तो आज सर्वे की कार्रवाई पूरी हो गई होती। अदालत ने सुनवाई के दौरान जिला प्रशासन व पुलिस आयुक्त की ओर से कोई एफिडेविट नहीं देने पर नाराजगी जताई।

पक्ष व विपक्ष अधिवक्ता व वादियों की बढ़ाई गई सुरक्षा

अदालत ने आदेश आने जयपुर जहां कचहरी परिसर में भारी संख्या में पुलिस फोर्स की तैनाती कर दी गई थी वही वादी व विपक्ष के अधिवक्ताओं वह पक्षकारों की भी सुरक्षा बढ़ा दी गई है। सुरक्षा के लिए पुलिस के जवानों की तैनाती भी की गई है।

इससे पहले वादी पक्ष के अधिवक्ता ने कोर्ट से अपील की कि चाबी जिस किसी के पास हो, उससे ज्ञानवापी मस्जिद का तहखाना खुलवाएं या ताला तुड़वाएं। कोर्ट कमीशन को अंदर प्रवेश कराकर सर्वे पूरा कराया जाय। वहीं, विपक्षी अधिवक्ता ने सन-1937 के निर्णय का हवाला देते हुए कहा कि मस्जिद का कोर्ट यार्ड वक्फ बोर्ड की संपत्ति है तो उसका सर्वे कैसे हो सकता है। इस प्रकरण में पहली बार काशी विश्वनाथ मंदिर न्यास के अधिवक्ता ने भी अपना पक्ष रखा।

बुधवार को वादी अधिवक्ता सुधीर कुमार त्रिपाठी ने कहा था कि कोर्ट कमिश्नर अपना कार्य निष्पक्षता से कर रहे थे। विपक्षी अंजुमन इंतजामिया कमेटी की ओर से इस सर्वे को बाधित करने की नीयत से अर्जी दी गई है जो कहीं से उचित नहीं है। राखी के अधिवक्ता शिवम गौड़ ने न्यायालय को इसी प्रकरण में 21 अप्रैल के हाईकोर्ट के आदेश की प्रति सौंपते हुए कहा कि विपक्षी अंजुमन इंतजामिया कमेटी ने सर्वे की कार्यवाही रोकने के लिए अर्जी दी थी, लेकिन अदालत ने उसे खारिज कर दिया था। अब विपक्षी अधिवक्ता कोर्ट कमिश्नर की कार्यशैली पर सवाल उठा रहे है, जो उचित नहीं है। उन्होंने अदालत से कहा विपक्षी की आपत्ति कोर्ट कमिश्नर की कार्यवाही रोकने के लिए बाध्य नहीं है।

याचिका व्यवस्था का दुरुपयोग न कर

आगरा स्थित ताजमहल के 22 कमरों को खोलने की याचिका पर इलाहाबाद हाई कोर्ट की लखनऊ बेंच में सुनवाई जारी है. इस दौरान जस्टिस डीके उपाध्याय ने याचिकाकर्ता को फटकार लगाते हुए कहा कि जनहित याचिका व्यवस्था का दुरुपयोग न करें, कल आप आएंगे और कहेंगे कि हमें माननीय जज के चेंबर में जाने की अनुमति चाहिए.

ताजमहल के 22 कमरों को खोलने की याचिका पर सुनवाई जस्टिस डीके उपाध्याय और जस्टिस सुभाष विद्यार्थी की बेंच सुनवाई कर रही है. हाई कोर्ट ने याचिकाकर्ता से कहा कि आप मानते हैं कि ताजमहल को शाहजहां ने नहीं बनाया है? क्या हम यहां कोई फैसला सुनाने आए हैं? जैसे कि इसे किसने बनवाया या ताजमहल की उम्र क्या है? हाई कोर्ट ने कहा कि आपको जिस टॉपिक के बारे में पता नहीं है, उस पर रिसर्च कीजिए, जाइए एमए कीजिए, पीएचडी कीजिए, अगर आपको कोई संस्थान रिसर्च नहीं करने देता है तो हमारे पास आइए. हाई कोर्ट ने साफ किया कि हम इस याचिका की सुनवाई टालेंगे नहीं, आपने ताजमहल के 22 कमरों की जानकारी किससे मांगी?

हाई कोर्ट के सवाल का जवाब देते हुए याचिकाकर्ता के वकील ने कहा कि हमने अथॉरिटी से जानकारी मांगी. इस पर हाई कोर्ट ने कहा कि अगर उन्होंने कहा है कि सुरक्षा कारणों से कमरे बंद हैं तो यह जानकारी है, अगर आप संतुष्ट नहीं हैं तो इसे चुनौती दें. कृपया एमए में अपना नामांकन कराएं, फिर नेट, जेआरएफ के लिए जाएं और अगर कोई विश्वविद्यालय आपको ऐसे विषय पर शोध करने से मना करता है तो हमारे पास आएं.

पूजा सिंघल सस्पेंड, CA ने कबूला बरामद कैश का राज

मनरेगा फंड में घोटाला, मनी लॉन्ड्रिंग और कथुलिया माइंस केस में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की ओर से गिरफ्तार की गईं झारखंड कैडर की आईएएस अधिकारी पूजा सिंघल को सस्पेंड कर दिया गया है. इस बीच पूजा सिंघल की सीए सुमन कुमार ने कई राज खोले हैं.

झारखंड की आईएएस अफसर पूजा सिंघल को सस्पेंड कर दिया गया है. पूजा सिंघल को मनी लॉन्ड्रिंग, मनरेगा घोटाला और कथुलिया माइंस केस में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने गिरफ्तार किया है. पूजा सिंघल की सीए सुमन कुमार के घर से ईडी ने 17.49 करोड़ रुपये बरामद किए थे. सीएम सुमन कुमार का कहना था कि यह पैसा पूजा सिंघल का है.

जमीन विवाद में जानलेवा हमला, दो गंभीर

भोपाल। प्रदेश के राजगढ जिले के करेड़ी गांव में जमीन को लेकर दो पक्ष भीड गए। जमीन के इस पुराने विवाद में पूर्व सरपंच मोहन वर्मा व उनके भाई हुकुम वर्मा पर जानलेवा हमला कर दिया। विवाद के बाद उन्हें राजगढ़ जिला अस्पताल लाया गया, जहां से गंभीर हालत में इंदौर के लिए रेफर कर दिया। उधर घटना के बाद उग्र भीड़ ने हमलावर पक्ष के मकान व कार में आग लगा दी। इसके अलावा पुलिस की दो कारों व पांच बाइकों में तोड़फोड़ की है। भीड़ को नियंत्रित करने पुलिस को अश्रु गैस के गोले छोड़ने पड़े। जानकारी के मुताबिक पूर्व सरपंच मोहन वर्मा, हुकुम वर्मा व गांव के ही अल्लाह वेली के परिवारों के बीच में पुरानी जमीन को लेकर कई सालों से विवाद चला आ रहा था। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि खरीदी-बिक्री को लेकर दोनों पक्षों के बीच में लंबे समय से विवाद चल रहा था। इसी बात को लेकर बुधवार को अल्लाह वेली पक्ष के लोगों व मोहन वर्मा पक्ष के बीच जमीन को लेकर कहा सुनी हुई। इसी के साथ पूर्व सरपंच मोहन वर्मा व उनके भाई हुकुम वर्मा पर सामने वाले पक्ष के लोगों ने तलवार व टामी से हमला कर दिया।

मुरैना के तीन गांवों में हैजा, आधा सैकड़ा बच्चे बीमार

भोपाल। प्रदेश के मुरैना जिले की सबलगढ़ तहसील के तीन गांव में करीब आधा सैकडा बच्चा बीमार हो गए। बच्चों को उल्टी और दस्त की शिकायत के बाद गुरुवार को ग्रामीण अस्पताल लेकर पहुंचे। आज सुबह 18 बच्चों को अस्पताल लाया गया है। जिनका अस्पताल में उपचार जारी है। वहीं तीन बच्चों की हालत ज्यादा खराब होने के कारण उनको जिला चिकित्सालय के लिए रेफर कर दिया गया है। हालांकि तीन गांवों में हैजा फैलने की सूचना के बाद प्रशासन व स्वास्थ्य विभाग भी सक्रिय हो गया है। विभाग इन गांवों में अपनी डॉक्टरों की टीम भेजने की तैयारी कर रहा है। जिससे इन गांवों में हैजा फैलने से रोका जा सके।जानकारी के अनुसार हुआपुरा, दंते पुरा तथा चौक पुरा में अज्ञात कारणों के चलते मल्लाह जाति के 40 से 50 बच्चे गंभीर रूप से बीमार हो गए हैं। सभी बच्चे उल्टी और दस्त से पीड़ित है। जिसमें से 18 बच्चे अभी तक सिविल अस्पताल लाए गए हैं। जिनका उपचार किया जा रहा है। तीन बच्चों की ज्यादा हालात खराब होने पर उन्हें को जिला चिकित्सालय रेफर कर दिया गया। वहीं अन्य बच्चों को भी ग्रामीणों द्वास अस्पताल में लाया जा रहा है। एक साथ इतनी तादात में बच्चों के बीमार होने पर स्वास्थ्य विभाग की टीम गांवों के लिए रवाना हो गई। जहां बच्चों के बीमार होने के कारण का पता लगाया जाएगा। डॉ शरद शर्मा ने बताया गया है कि बच्चों का उपचार किया जा रहा है और स्वास्थ्य विभाग की टीम गांवों कर लिए रवाना हो चुकी है। जहाँ खाने और पानी के सेम्पल लिए जा रहे है। बीमार बच्चों को गांव में भी दवाई दी जा रही है। बीमार होने की वजह गर्मी भी हो सकती है और फूड पॉयजनिग भी। जांच के बाद स्पष्ट हो जाएगा।

एससी के आदेश के बाद सीएम शिवराज से बात करेंगे उद्धव

महाराष्ट्र के सीएम उद्धव ठाकरे सुप्रीम कोर्ट के बिना आरक्षण निकाय चुनाव कराने के आदेश पर पुर्नविचार याचिका दायर करने के उद्देश्य से मध्य प्रदेश के सीएम शिवराज सिंह चौहान से बातचीत करेंगे. यह बातचीत एससी के निकाय चुनावों पर उसके इस निर्णय के बाद होने जा रही है जिसमें उसने मध्य प्रदेश के राज्य निर्वाचन आयोग को राज्य में दो सप्ताह के अंदर स्थानीय निकाय चुनाव कराने के निर्देश दिए हैं. वहीं इस मुद्दे पर प्रतिक्रिया देते हुए सीएम चौहान ने कहा कि बीजेपी और बीजेपी सरकार सदैव से यह प्रयास करती रही है कि समाज के हर वर्ग को न्याय मिले. बीजेपी का सदा से नारा रहा है कि सामाजिक न्याय, सामाजिक समरसता के साथ. इसलिए हमने सदैव प्रयास किया कि ओबीसी को भी उनका अधिकार मिले.

क्या बोले सीएम शिवराज सिंह चौहान ?

मध्यप्रदेश में पाप कांग्रेस ने किया, पंचायत चुनाव की प्रक्रिया प्रारंभ हो गई थी लेकिन कांग्रेस के कार्यकर्ता कोर्ट में गये और उसके बाद यह स्थिति आई. सीएम शिवराज ने कहा कि आज हम अपनी पूरी टीम के साथ विधिवेत्ताओं और विधि विशेषज्ञों से मिले. इसके साथ ही हमने प्रमुख रूप से सॉलिसिटर जनरल और एडिशनल सॉलिसिटर जनरल के साथ बैठे और सभी पक्षों के साथ हमने चर्चा की और हम लगातार इस मुद्दे पर काम कर रहे हैं.

कोरबा की मदर टेरेसा जो 75 की उम्र में भी कर रहीं निःशुल्क सेवा

कोरबा. नर्स ही वो है जो मरीज की सेवा कर उसे बिस्तर से उठाकर वापस उसके पैरों पर चलने के काबिल बनाती हैं। इस नर्स दिवस पर कोरबा की ललिता शर्मा से मिलिए। वे 75 साल की उम्र में भी मरीजों की सेवा करने से पीछे नहीं हटती हैं।

आप कोरबा की मदर टेरेसा से मिलिए जो रिटायरमेंट के 14 साल बाद भी लोगों को निःशुल्क सेवा दे रही हैं। ललिता शर्मा पहली बार 1972 में कोरबा आईं थीं। उन्होंने पीएचसी कोरबा में लंबे समय तक ड्यूटी दी। इस दौरान भी अस्पताल आने वाले मरीज सिस्टर ललिता शर्मा को अस्पताल में देखने के बाद राहत की सांस लेते थे। उनसे ही अपना दुख-दर्द बांटते थे। कोरबा के नामी डॉक्टर जटिल केस के लिए भी ललिता को ही याद करते थे।

मरीजों की सेवा में ललिता ने अपनी पूरी उम्र लगा दी। अब वह 75 साल की हो चुकी हैं। रिटायर हुए 14 साल बीत चुके हैं, लेकिन लोगों की सेवा का जज्बा कम नहीं हुआ। पुरानी बस्ती में रहने वाली ललिता शर्मा लोगों में सिस्टर ललिता के नाम से मशहूर हैं। कोरबा में उन्हें कोरबा की मदर टेरेसा के तौर पर भी पहचाना जाता है। अब भी दूर-दूर से जरूरतमंद लोग उनके पास इलाज के लिए पहुंचते हैं। लोगों के लिए ही ललिता शर्मा ने घर पर ही छोटा सा क्लीनिक जैसा कमरा बनाया हुआ है। इस कमरे में वह छोटे-मोटी बीमारियों की दवा मरीजों को बांटती हैं।

सिस्टर ललिता शर्मा के बड़े बेटे शैलेश, मां के सेवा-भाव के कायल हैं। लेकिन वह यह भी कहते हैं कि कभी-कभी मां का ये जॉब हमारे लिए परेशानी का सबब बन जाता है। कोरोना काल में जब सभी अपने घर से निकलने से भी डरते थे। तब भी मां लोगों के बुलावे पर उनके घर जाने को आतुर रहती थी।

कांग्रेस पार्टी का दूसरा नाम ही करप्शन पार्टी है -गृहमंत्री

भोपाल। मध्यप्रदेश के गृहमंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा ने आज कहा कि कांग्रेस ने 2018 के विधानसभा चुनाव में प्रदेश की जनता को 1000 झूठे वचन दिए थे। जनता इनके बोल वचन अच्छी तरह जान चुकी है, कमलनाथ जी अब और कितना झूठ बोलेंगे? कांग्रेस पार्टी का दूसरा नाम ही करप्शन पार्टी है। एनएसयूआई कांग्रेस का छात्र संगठन है और एनएसयूआई छात्रों को भ्रष्टाचार और घोटाले की ट्रेनिंग दे रही है। एनएसयूआई के प्रदेश अध्यक्ष की वायरल चैट से इस बात का सवाल उठता है कि छोटे पद का यह रेट है, तो बड़े पद का रेट क्या होगा?

डॉ. मिश्रा ने बताया कि आज हुई कैबिनेट की बैठक में महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। इसमें प्रदेश के नक्सल प्रभावित जिलों में विशेष सहयोगी दस्ता गठित किए जाने के प्रस्ताव को स्वीकृति दी है। प्रमुख रूप से इन जिलों में सूचना तंत्र को पुख्ता करने के लिए इस दस्ते में स्थानीय मूल निवासियों को नियुक्त किया जाएगा। कुल 10 नक्सल प्रभावित विकासखंडों के स्थानीय युवाओं को पांच वर्ष की अवधि के लिए नियुक्ति दी जाएगी। अनुबंध अवधि में संतोषप्रद सेवा के बाद पुलिस अधीक्षक की अनुशंसा पर इन्हें आरक्षक पद पर विशेष नियुक्ति दी जाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि लाड़ली लक्ष्मी योजना प्रदेश सरकार की महत्वकांक्षी योजना है। योजना के दूसरे चरण के तहत इस वर्ष स्नातक पाठ्यक्रम में प्रवेश लेने वाली प्रदेश की बेटियों को दो किश्तों में कुल ? 25 हजार की राशि देने के प्रस्ताव को कैबिनेट ने मंजूरी दी है। पुलिसकर्मियों के उपचार के लिए राजधानी भोपाल स्थित 23वीं एवं 25वीं वाहिनी विसबल परिसर में 50 बैड के सर्वसुविधायुक्त अस्पताल बनाए जाने व इसकी वित्तीय कार्ययोजना के प्रस्ताव को कैबिनेट ने मंजूरी दी है।

श्रीलंका: पीएम पद के नए दावेदार ने मदद के लिए जताया मोदी का आभार

1948 में आजाद हुआ श्रीलंका इस वक्त अपने सबसे खराब आर्थिक संकट से जूझ रहा है. वहां महंगाई बेकाबू हो चली है. ऐसे में वहां हिंसक प्रदर्शन भी शुरू हो गए, महिंदा राजपक्षे पीएम पद से इस्तीफा देकर पूरे परिवार के साथ भाग खड़े हुए. इसी बीच विपक्ष के नेता साजिथ प्रेमदासा ने आजतक से ख़ास बातचीत की है.

श्रीलंका को हिंसा की आग में झोंक कर प्रधानमंत्री महिंदा राजपक्षे पूरे परिवार के साथ भाग खड़े हुए. सोमवार को उग्र भीड़ ने कोलंबो में राजपक्षे के सरकारी आवास को घेर लिया था. जनता के गुस्से को कम करने के लिए उन्हें पीएम पद से इस्तीफा देना पड़ा. लेकिन इस्तीफे के बाद भी गुस्सा कम नहीं हुआ. ऐसे में उन्होंने इस्तीफा दिया और उधर उनके सरकारी आवास में सेना का हेलिकॉप्टर उतरा. आनन-फानन में पूरा राजपक्षे परिवार इसमें सवार हुआ और कोलंबों में उग्र प्रदर्शनकारियों से जान बचाकर भाग निकला. श्रीलंका के बिगड़े हालातों के बीच नए प्रधानमंत्री पद के दावेदार के रूप में विपक्ष के नेता और सांसद साजिथ प्रेमदासा का नाम तेजी से चर्चा में आ गया. तमाम चर्चाओं के बीच साजिथ ने आजतक से ख़ास बातचीत की. जिसमें उन्होंने अपने भविष्य के प्लान के साथ साथ श्रीलंका के मौजूदा हालातों पर बात की.

धोखेबाज कांग्रेस जनता की आंखों में धूल झोंकती आई है- डॉ. केसवानी

- चिंतन शिविर नहीं 5 स्टार होटलों में रेव पार्टियां करते हैं कांग्रेस नेता

भोपाल। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता डॉ. दुर्गेश केसवानी ने कांग्रेस चीफ कमलनाथ के वचन पत्र वाले बयान का कड़ा विरोध जताया है। भाजपा प्रवक्ता ने कहा है कि कांग्रेस चीफ को अब वचन शब्द का इस्तेमाल करने से पहले नैतिकता के नाते सोचना चाहिए। क्योंकि कांग्रेस चुनाव से पहले वचन पत्र नहीं असत्य पत्र का निर्माण करती है। लोगों के सामने इन्हें रखकर लोगों की आंखों में सदैव से धूल झोंकती आई है। लोगों को अंधेरे में रखने का काम कांग्रेस आज से नहीं आजादी के बात से ही करती आई है। हिंदू विरोधी कांग्रेस के लिए तो

आम लोग और वचनों का कोई महत्व नहीं है। कांग्रेस नेता केवल और केवल निजी हितों के लिए ही सत्ता चाहते हैं। भाजपा प्रवक्ता ने कांग्रेस पर कड़ा प्रहार करते हुए कहा कि कांग्रेस रीत सदा चली आई, वचन जाई पर सत्ता न जाई।

चिंतन शिविरों में लजीज व्यंजनों का स्वाद चखते हैं कांग्रेस नेता - कांग्रेस पार्टी के चिंतन शिविरों को भाजपा प्रवक्ता ने लक्जरी होटलों में होने वाली रेव पार्टियां करार देते हुए कहा कि चिंतन शिविरों में 5 स्टार होटलों के एसी हॉल में बैठकर केवल लजीज व्यंजन चखने का काम करते हैं। इस दौरान कांग्रेस नेता एक जिम्मेदार विपक्ष की भूमिका भूल कर केवल भौतिक सुखों का लाभ उठाते हुए लजीज व्यंजनों के साथ पार्टियां करते हैं। जनसरोकार के मुद्दे पूरी तरह से दरकिनार कर दिए जाते हैं। इन शिविरों में कोई भी कांग्रेस नेता न तो अपनी कोई बात रख पाता है, यदि कोई जनसरोकार के बात रख भी देता है तो उसे सुनने वाला कोई नहीं होता।

न्यूज ब्रीफ

मुख्यमंत्री चौहान ने अंतर्राष्ट्रीय नर्स दिवस पर दी शुभकामनाएँ

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने अंतरराष्ट्रीय नर्स दिवस पर नर्सिंग क्षेत्र के सभी कर्मियों को शुभकामनाएँ दी हैं। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने सोशल मीडिया के माध्यम से जारी संदेश में कहा है कि समर्पित भाव से कर्त्तव्य का पालन करते हुए मानव सेवा के लिए सदैव तत्पर रहने वाले नर्सिंग क्षेत्र के सभी कर्मचारियों का समाज ऋणी है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कोरोना काल की कठिन और चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में नर्सिंग स्टाफ द्वारा स्वयं को जोखिम में डालते हुए की गई सेवा का स्मरण भी किया।

बुरहानपुर के ग्रामीण क्षेत्रों में स्थापित होंगे 8 नये विद्युत उप-केन्द्र

भोपाल। पशुपालन एवं डेयरी, सामाजिक न्याय एवं निःशक्तजन कल्याण मंत्री श्री प्रेम सिंह पटेल ने आज प्रभार जिले बुरहानपुर में विभिन्न विभागों द्वारा संचालित शासकीय योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की। श्री पटेल ने बताया कि ग्रामीण क्षेत्र में बिजली की उपलब्धता बढ़ाने के लिये ग्राम आसीर, सीवल, धामनगाँव, सांईखेड़ा, मातापुर, चिंचाला मुक्तिधाम, मण्डी तुरकगुराड़ा में नये 33/11 के.व्ही. ग्रिड उप-केन्द्र प्रस्तावित किये गये हैं। मंत्री श्री पटेल ने अधिकारियों को समय-सीमा में लक्ष्यापूर्ति करने के निर्देश दिये। उन्होंने भू-स्वामित्व, एक जिला-एक उत्पाद, कृषि, टीकाकरण, कोरोना सेम्पलिंग, संजीवनी क्लीनिक, वन विभाग के कार्य, निर्माण कार्य, आँगनवाड़ी, बिजली की उपलब्धता, जलापूर्ति आदि की समीक्षा की।

आधी बीमारी तो डॉक्टर और सिस्टर के अच्छा बोलने से हो जाती हैं ठीक

भोपाल। आधी बीमारी तो डॉक्टर और सिस्टर के अच्छा बोलने से ही ठीक हो जाती हैं। स्टॉफ अच्छा व्यवहार करता है, तो अच्छा लगता है। रोशनपुरा, गिन्नौरी और बरखेड़ी स्थित ई-संजीवनी क्लीनिक में उपचार कराने आईं महिलाओं ने यह बात स्वास्थ्य मंत्री डॉ. प्रभुराम चौधरी से कही। स्वास्थ्य मंत्री डॉ. चौधरी बुधवार को भोपाल की ई-संजीवनी क्लीनिक का औचक निरीक्षण कर रहे थे। स्वास्थ्य मंत्री डॉ. चौधरी ने ई-संजीवनी क्लीनिक की व्यवस्थाओं का अवलोकन किया। उन्होंने क्लीनिक पर उपस्थित नागरिकों से क्लीनिक में मिलने वाली सुविधाओं की जानकारी भी प्राप्त की। स्वास्थ्य मंत्री डॉ. चौधरी ने रोशनपुरा वार्ड क्रमांक-24 की संजीवनी क्लीनिक के खुलने और बंद होने के समय की जानकारी उपचार कराने आये नागरिकों से ली।

भोपाल में युवक कांग्रेस का प्रदर्शन : पुलिस ने सीएम हाउस जाने से रोका; कमलनाथ बोले-

बीजेपी के पास पुलिस-पैसा-प्रशासन, डरेंगे नहीं

भोपाल

महंगाई, बेरोजगारी और आदिवासियों पर अत्याचार को मुद्दा बनाकर मध्यप्रदेश युवक कांग्रेस आज भोपाल में प्रदर्शन कर रही है। इसे युवा शंखनाद नाम दिया गया है। कांग्रेस नेता व्यापमं चौराहे से श्रूरूहाउस घेरने के लिए निकले, लेकिन रेडक्रॉस हॉस्पिटल के सामने पुलिस ने बैरिकेड लगा रखे हैं। कांग्रेस नेताओं को वॉटर कैनन से पानी की बौछार कर पीछे हटाया गया। युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीनिवास बीवी और कुछ कार्यकर्ताओं को भी हिरासत में ले लिया गया है। प्रदर्शन में कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष कमलनाथ के साथ नेता प्रतिपक्ष गोविंद सिंह, पूर्व पीसीसी चीफ सुरेश पचौरी, अरुण यादव, पूर्व नेता प्रतिपक्ष अजय सिंह, पूर्व मंत्री सज्जन वर्मा समेत कई बड़े नेता जुटे हैं। पूर्व नेता प्रतिपक्ष अजय सिंह ने कहा कि अगले चुनावों में युवाओं को ज्यादा मौके दिए जाने चाहिए।

अरुण यादव ने कहा- मैं युवा हूं और कमलनाथ भी युवा हैं, हम उनके नेतृत्व में मप्र में सरकार बनाएंगे। कमलनाथ ने कहा कि सिर्फ महंगाई, बेरोजगारी, व्यापमं ही चुनौती नहीं है। हमारी संस्कृति को बचाने की सबसे बड़ी चुनौती है। आज भारतीय जनता पार्टी के पास तीन चीजें बची हैं- पुलिस, पैसा और प्रशासन। याद रखिए हम न पैसे, न पुलिस और न प्रशासन से दबेंगे।

नाथ-दिग्गी ने वीडियो मैसेज किए जारी

युवा शंखनाद में शामिल होने के पहले कमलनाथ ने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा- युवा मध्यप्रदेश को बचाने की इस लड़ाई को मजबूत बनाएं। इसे लेकर पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने भी वीडियो जारी किया है। दिग्विजय ने कहा कि हमें इस देश में, प्रदेश में बढ़ती अव्यवस्था को लेकर जनआंदोलन करना है।

शंखनाद आंदोलन में ये हो रहे शामिल

युवा कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष विक्रांत भूरिया के नेतृत्व में होने वाले शंखनाद में कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष कमलनाथ, नेता प्रतिपक्ष डॉ. गोविंद सिंह, पूर्व नेता प्रतिपक्ष अजय सिंह, पूर्व केंद्रीय मंत्री सुरेश पचौरी, पूर्व पीसीसी चीफ अरुण यादव, युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीनिवास बीवी, आगर विधायक विपिन वानखेड़े,मध्यप्रदेश युवा कांग्रेस प्रभारी शेषनारायण ओझा, इशिता सेढ़ा, एनएसयूआई के प्रदेश अध्यक्ष आशुतोष चौकसे सहित अन्य कार्यकर्ता शामिल हुए हैं।

एक बेड पर दो-दो प्रसूताएं लेटने को मजबूर

सुल्तानिया अस्पताल में घटाए 20 बेड, जमीन पर लेटकर इलाज करा रहीं महिलाएं

भोपाल

राजधानी भोपाल में भीषण गर्मी के कारण लोग परेशान हैं। 42 डिग्री टेम्प्रेचर में भोपाल के सबसे बड़े महिला चिकित्सालय सुल्तानिया जनाना अस्पताल में प्रबंधन ने हमीदिया की नई बिल्डिंग में शिफ्टिंग के पहले ही करीब 20 बेड कम कर दिए हैं। अस्पताल के हालात ऐसे हैं कि एक बिस्तर पर दो-दो महिलाओं को लिटाया जा रहा है। वार्डों में अकेले गर्भवती महिलाएं और प्रसूताएं ही नहीं बल्कि कर्मचारी भी गर्मी के कारण परेशान हैं। कुछ वार्डों में तो हालात ऐसे हैं कि महिलाओं को फर्श पर ही लेटकर इलाज कराना पड़ रहा है।

डॉक्टर छुट्टी पर इसलिए नहीं हो पा रही देखरेख

विदिशा के कुरवाई से आए श्यामलाल कुशवाहा ने बताया कि उनकी बहू की डिलेवरी दो दिन पहले हुई है। उसे एक दिन ही बेड मिला उसके बाद उसके साथ एक और महिला को लिटा दिया। गर्मी के कारण वार्ड में उमस बहुत हो रही है। डॉक्टर भी

दिन में सिर्फ एक ही बार आ रहे हैं पूछो तो कहते हैं कि डॉक्टर छुट्?टी पर हैं।

प्रबंधन ने कम कर दिए बिस्तर

सुल्तानिया अस्पताल को जुलाई में हमीदिया अस्पताल की नई बिल्डिंग में शिफ्ट करने की तैयारी चल रही है। सुल्तानिया अस्पताल में 235 बिस्तर हैं लेकिन प्रबंधन ने शिफ्टिंग के पहले ही करीब 20 बिस्तर कम कर दिए हैं। सुल्तानिया अस्पताल में अभी 242 महिलाएं भर्ती हैं। इनमें गर्भवतियों, प्रसूताओं के अलावा गंभीर बीमारियों से ग्रस्त महिलाएं सर्जरी कराने आतीं हैं। इन्हें कई दिनों तक अस्पताल में भर्ती रहना पड़ता है।

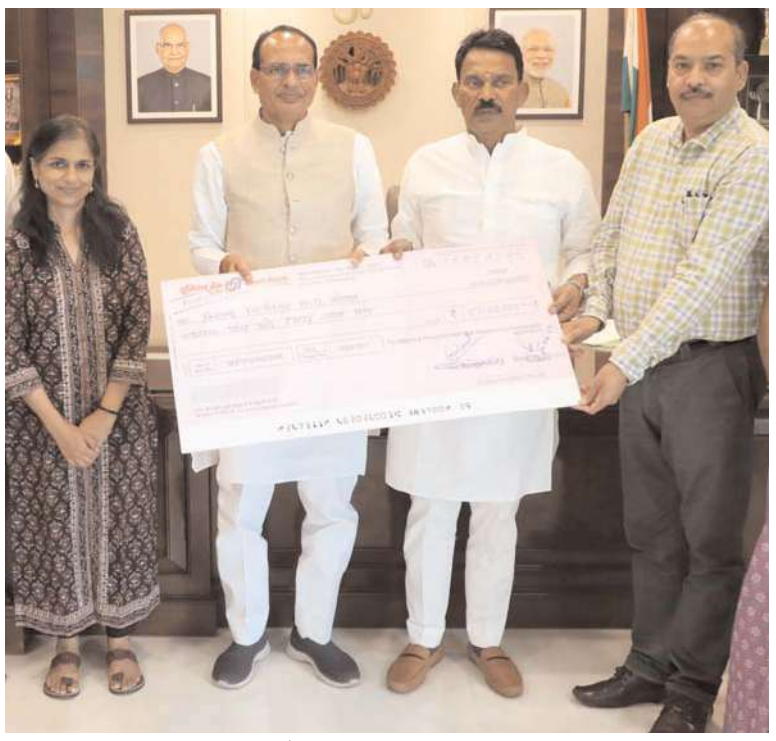

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान को जल संसाधन एवं मछुआ कल्याण मंत्री श्री तुलसी सिलावट तथा अधिकारियों ने म.प्र. मत्स्य महासंघ के 5 करोड़ 11 लाख रूपए रॉयल्टी का चेक भेंट किया।

सतत विकास लक्ष्य पेयजल एवं स्वच्छता के ढांचे के विकास के लिये दो दिवसीय कार्यशाला का हुआ शुभारंभ

भोपाल. कार्यशाला में अटल भूजल योजना मध्यप्रदेश के संचालक डॉ जितेंद्र जैन ने बताया कि भारत सरकार द्वारा जल संरक्षण को लेकर सबसे महत्वपूर्ण योजना जो कि वर्तमान में अटल भूजल योजना के नाम से मध्यप्रदेश बुंदेलखंड के 6 जिलों मे 9 विकासखंडो की 667 जल संकट ग्रस्त ग्राम पंचायतों में चल रही है जिसके सफल होने की वजह से अब इस योजना का विस्तार अन्य जल संकट ग्रस्त इलाकों में शीघ्र ही किया जाएगा। वेल्ट हंगर हिलफे, परमार्थ, समर्थन व जर्मन कोऑपरेशन के संयुक तत्वाधान में सतत विकास लक्ष्य प्राप्ति को लेकर दो दिवसीय राज्य स्तरीय कार्यशाला कार्यक्रम में निवेदिता वार्ष्णेय कंट्री निदेशक डब्ल्यू एच एच के द्वारा विस्तार पूर्वक वाटर रिसोर्स मैनेजमेंट और जल के संचयन व संरक्षण को लेकर विस्तार से जानकारी दी गई साथ ही उद्देश्य के तौर पर जन भागीदारी को जन अभियान के रूप में परिवर्तित कर ऐसा कार्यक्रम सतत चलाया जाए जो एक परियोजना मात्र न रहकर अभियान का रूप ले। संजीव डे ने अपने वक्तव्य में कहा कि जल को परियोजना तंत्र के माध्यम से किस तरह मजबूत किया जाए व सरकारी विभागों से किस प्रकार का सहयोग की अपेक्षा की जा सके । उन्होंने कहा कि परमार्थ व समर्थन संगठन के साथ ग्राम स्तर पर हर घर पर नल से जल पहुंचाया जाए । समर्थन के निदेशक योगेश कुमार ने कहा कि किसी भी परियोजना को सफल करने के लिए ग्रामीण सहभागिता का होना अत्यंत महत्वपूर्ण है । उन्होंने कहा कि पहले व्यक्ति स्वावलंबी था परंतु वर्तमान में परावलम्बी हो गया है। योगेश सिंह ने अपने महत्वपूर्ण वक्तव्य में कहा कि व्यक्ति के जीवन मे जल एक महत्वपूर्ण स्थान रखता है और जल को हर घर तक पहुंचाने में सभी समुदायों व संगठनों के प्रयास से ही संभव है। सुनील खरे, सुपरिंटेंडेंट इंजीनियर पीएचई मध्यप्रदेश ने बताया कि किसी भी परियोजना का ढांचा सामुदायिक सहभागिता के आधार पर ही किया जाता है। परमार्थ संस्थान के सचिव डॉ संजय सिंह ने बताया कि वह पिछले 30 वर्षों से जल संरक्षण के विषय को लेकर कार्य कर रहे है और उनके द्वारा 113 गांव में ग्रामीण स्तर पर 1100 जल सहेलियां बनाई गई है उनके माध्यम से गांव गांव में जल बचाव व जल संरक्षण का कार्य निरंतर किया जा रहा है। अजय दिवाकर जीएम जल निगम भोपाल ने कहा कि जल जीवन मिशन का सही अर्थ है कि जल ही जीवन है उसको मिशन कैसे बनाये और छिंदवाड़ा जिले के मोक्कड़ गांव में जल जीवन मिशन के तहत हर घर मे नल से जल पहुंचाने का मॉडल विलेज बनाया गया है जिससे हमे सीखने की जरूरत है । एसोसिएट प्रोफेसर विवेक भट्ट, वाल्मी भोपाल व प्रभारी प्रशिक्षण अटल भूजल योजना ने कहा कि हमने योजना को ग्राम स्तर पर हर व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए प्रशिक्षण के द्वारा जागरूक किया है ।

लगभग 48 साल बाद होगा भारत टॉकिज आर.ओ.बी. का विशेष मरम्मत कार्य

» 1अगले 25 साल के लिये होगा पुनः तैयार

भोपाल

चिकित्सा शिक्षा मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग ने आज भोपाल शहर में भारत टॉकीज रेलवे ओवर ब्रिज का निरीक्षण किया। उन्होंने बताया कि भोपाल शहर में बस स्टेशन एवं पुराने शहर को रेलवे स्टेशन प्लेटफार्म क्रमांक-एक से जोड़ने वाले भारत टॉकीज रेलवे ओवर ब्रिज का निर्माण वर्ष 1974 में किया गया था। अब ब्रिज के विशेष मरम्मत कार्य से पुल

लगभग 25 साल के लिये पुन॰ तैयार हो जायेगा। ब्रिज के मरम्मत कार्य पर लगभग ढ़ाई से तीन करोड़ का व्यय होगा। मंत्री श्री सारंग ने बताया कि ब्रिज के मरम्मत कार्य से थोड़े समय ट्रेफिक व्यवस्था में परिवर्तन किया जायेगा। जिला प्रशासन और ट्रेफिक पुलिस की प्लानिंग के अनुसार ट्रेफिक डायवर्ट करने सुव्यवस्थित प्लान तैयार किया जा रहा है, जिससे आवागमन सुगम रहे। उन्होंने बताया कि अशोका गार्डन की 80 फीट रोड और सुभाष नगर आरओबी से ट्रेफिक व्यवस्था दुरूस्त हुई है। बरखेड़ी के नज़दीक अंडरपास का अतिक्रमण हटने से भी आवागमन सुविधाजनक होगा।

ब्रिज के नीचे बने गोडाउन खाली कराने के निर्देशः- मंत्री श्री सारंग ने भारत टॉकीज आरओबी के नीचे बने गो-डाउन को खाली कराने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि 2 दिन के अंदर अतिक्रमण किये गये एरिये को मुक्त करवाया जाये।

ज्ञात हो कि पुल अधिक पुराना होने के कारण पुल के बियरिंग एवं पेडस्टल क्षतिग्रस्त हो गये हैं तथा राइडिंग की स्थिति भी खराब है। स्थिति को देखते हुए पुल के सभी बियरिंग एवं पेडस्टल का कार्य किया जायेगा। साथ ही राइडिंग सरफेस को ठीक करने के लिये वर्तमान सरफेस को डिस्मेंटल कर नया सरफेस मास्टीक एसफाल्ट से किया जायेगा। एस्पान्सन ज्वाइंट का रख-रखाव भी किया जायेगा। इसके अतिरिक्त फुटपाथ पर लगे पेविंग ब्लाक हटाकर नया सरफेस बनाया जाना प्रस्तावित है। इस कार्य के लिये कार्यादेश जारी किया गया है।

बहुत खास है मध्यप्रदेश स्टार्टअप नीति

» अनेक छूट और सहूलियतें हैं नीति में

भोपाल

मध्यप्रदेश स्टार्टअप नीति 2022 की अनेक विशेषताएँ हैं जो इसे देश में अलग पहचान देती है। संस्थागत रूप से विषय-विशेषज्ञों के साथ मध्य प्रदेश स्टार्टअप सेंटर की स्थापना, मजबूत ऑनलाइन पोर्टल का विकास, राष्ट्रीय और राज्य स्तरीय तकनीकी और प्रबंधन संस्थानों सहित विश्वविद्यालयों और अन्य शैक्षणिक संस्थानों से आवश्यक शैक्षणिक सहायता का आदान-प्रदान का प्रावधान नीति में किया गया है। सचिव एमएसएमई श्री पी. नरहरि ने बताया कि विपणन के क्षेत्र में अब नीति अनुसार अनुभव से संबंधित छूट में एक करोड़ रूपए तक का प्रावधान किया गया है। राज्य सरकार की निविदाओं और अनुरोध के प्रस्ताव के लिए जमानत तथा बयाना जमा राशि से छूट के साथ ही स्टार्टअप को केन्द्र से ॐत्रॠष्ठरु प्लेटफॉर्म से जोड़ा जाने का महत्वपूर्ण प्रावधान है। उल्लेखनीय है कि आगामी 13 मई शुक्रवार को प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी मध्यप्रदेश की स्टार्टअप पालिसी का इंदौर में आयोजित कॉन्क्लेव में शुभारंभ करेंगे। नीति में वित्तीय सहायता के रूप में सेबी/आरबीआई द्वारा मान्यता प्राप्त वित्तीय संस्थानों से सफलतापूर्वक निवेश प्राप्त करने पर 15 प्रतिशत की दर से अधिकतम 15 लाख रूपये तक की सहायता दी जाएगी। यह सहायता अधिकतम 4 बार दी जाएगी। उपरोक्त के अलावा, महिलाओं द्वारा प्रवर्तित स्टार्ट-अप के लिए 20 प्रतिशत की अतिरिक्त सहायता का प्रावधान है। फंड जुटाने की प्रक्रिया में स्टार्टअप्स का सपोर्ट करने वाले इन्क्यूबेटरों को इनके अलावा 5 लाख रूपये की सहायता दी जाएगी। इवेंट आयोजन हेतु संबंधित राज्य इन्क्यूबेटरों को प्रति इवेंट 5 लाख रूपये तक की सहायता दी जाएगी। इसकी प्रति वर्ष 20 रूपये लाख अधिकतम सीमा होगी। इन्क्यूबेटरों की क्षमता वृद्धि के लिए 5 लाख रूपये तक की सहायता दी जाएगी। मासिक लीज रेंटल हेतु 50 प्रतिशत तक की सहायता अधिकतम 5000 रूपये तीन वर्ष के लिए दी जाएगी। पेटेंट प्राप्त करने के लिए भी 5 लाख रूपए तक की सहायता दिए जाने का भी प्रावधान है। एमएसएमई सचिव के अनुसार उत्पाद-आधारित स्टार्टअप के लिए विशेष वित्तीय सहायता के तहत कौशल विकास एवं प्रशिक्षण हेतु किए गए व्यय की प्रतिपूर्ति 13 हजार रूपये प्रति वर्ष 3 वर्ष के लिए और 5 हजार रूपये प्रति कर्मचारी प्रति माह की सहायता, अधिकतम 3 वर्ष की अवधि के लिए दी जाएगी। कनेक्शन की तारीख से 3 साल के लिए बिजली शुल्क में छूट एवं नए बिजली कनेक्शन हेतु दर रूपये 5/यूनिट 3 साल के लिए फिक्स दिए जाने का प्रावधान है। स्टेट इनोवेशन चैलेंज के तहत वित्तीय/गैर-वित्तीय सहायता के तहत राज्य सरकार द्वारा चयनित चार सामाजिक-आर्थिक समस्या के समाधान प्रदान करने वाले स्टार्टअप को प्रति स्टार्टअप एक करोड़ रुपये (चार चरण में) तक का अनुदान दिया जाएगा। सभी आवश्यक लाइसेंस सहमति शुल्क से छूट या प्रतिपूर्ति दी जाएगी। खरीद सहायता भी 2 साल और तक प्रदान की जायेगी।

दैनिक इंटीग्रेटेड ट्रेड डेवलपमेंट सेंटर न्यूज
मध्य भारत का एक विश्वसनीय दैनिक | 98 26 22 00 22

अर्थव्यवस्था, शिक्षा,
नियोजन, उद्भव,
पर्यावरण, मनोरंजन.

आपकी बात
आपके साथ

अरपा बचाओ अभियान बिलासपुर और अरपा उद्गम बचाओ संघर्ष समिति पेंड्रा के पदाधिकारियों ने जीपीएम कलेक्टर से की मुलाकात

बिलासपुर । अरपा बचाओ अभियान बिलासपुर एवं अरपा उद्गम बचाओ संघर्ष समिति पेंड्रा के संयुक्त तत्वाधान में एक प्रतिनिधिमंडल ने गौरेला पेंड्रा मरवाही जिले की कलेक्टर रिचा प्रकाश चौधरी से मुलाकात की एवं पेंड्रा स्थित अरपा उद्गम के संवर्धन संरक्षण हेतु भूमि का अधिग्रहण कर कुंड का निर्माण और सहायक नदियों के उद्गम के संरक्षण के लिए ज्ञापन सौंपा। कलेक्टर ने प्रतिनिधि मंडल को इस संबंध में आवश्यक कार्यवाही करने का आश्वासन दिया है।

अरपाबचाओ अभियान के तहत उद्गम से संगम तक की हर वर्ष जन जागरण यात्रा निकालने वाले डॉक्टर सोमनाथ यादव संयोजक अरपा बचाओ अभियान बिलासा कला मंच का दल 11 मई को पेंड्रा पहुंचा ।अरपा बचाओ अभियान दल ने अरपा उद्गम पेंड्रा की प्रतीकात्मक पूजा अर्चना करने के बाद कलेक्टर गौरेला पेंड्रा मरवाही रिचा प्रकाश चौधरी से मुलाकात की और अरपा उद्गम पेंड्रा के संवर्धन एवं संरक्षण के लिए ज्ञापन सौंपा। प्रतिनिधिमंडल ने कलेक्टर को सौंपे ज्ञापन में बताया कि गौरेला पेंड्रा मरवाही एवं बिलासपुर जिले की जीवनदायिनी नदी अरपा के प्रति छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल जी का प्रेम एवं संवेदनशीलता सर्वविदित है। अरपा नदी के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए उनकी सोच का परिणाम है कि अरपा नदी के उद्गम स्थल से लेकर संगम तक बारहमासी पानी के बहाव की योजना के तहत छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा अरपा बेसिन विकास प्राधिकरण का गठन किया गया है। इसके अलावा छत्तीसगढ़ की भूपेश सरकार द्वारा अरपा के प्रति सम्मान का भाव प्रकट करते हुए छत्तीसगढिया कवि नरेंद्र वर्मा के गीत अरपा पैरी के धार को राज गीत का दर्जा दिया गया है।इसी के साथ नवगठित जिला गौरेला पेंड्रा मरवाही के उद्घाटन अवसर 10 फरवरी 2020 को मुख्यमंत्री भूपेश बघेल द्वारा अरपा नदी के उद्गम स्थल पेंड्रा में अरपा महोत्सव मनाने का निर्णय किया गया जिसके बाद लगातार दूसरी बार पेंड्रा में अरपा महोत्सव का आयोजन किया गया है।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल द्वारा अरपा महोत्सव 2021 के समापन अवसर पर अरपा नदी के उद्गम के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए जिस तरह से कहा गया है कि अरपा का उद्गम वही है जहां पुरखों ने बताया है। उसी अवसर पर राजस्व एवं गौरेला पेंड्रा मरवाही जिले के प्रभारी मंत्री जयसिंह अग्रवाल जयसिंह अग्रवाल ने कहा था कि पेंड्रा स्थित अरपा उद्गम को राजस्व रिकॉर्ड ओं में चिन्हित किया जाएगा जिसके बाद से लोगों में विश्वास है कि पेंड्रा से निकली अरपा उद्गम का संरक्षण एवं संवर्धन हो सकेगा परंतु मुख्यमंत्री की घोषणा के बावजूद अरपा उद्गम पेंड्रा को अब तक राजस्व रिकार्डों में ना तो चिन्हित किया गया है और ना ही उद्गम की भूमि का अधिग्रहण किया गया है जिससे अरपा नदी के प्रेमियों का धैर्य टूट रहा है। वर्ष 2016 में अरपा उद्गम की भूमि को जिस तरह से जमीन मालिक द्वारा सैकड़ों ट्रक मिट्टी से पाटा गया और उसका डायवर्सन किया गया जबकि पूर्व में अरपा उद्गम पेंड्रा के संरक्षण हेतु सिंचाई विभाग द्वारा शासन को स्टाफ डेम एवं भूमि अधिग्रहण से संबंधित 8 करोड़ की योजना प्रस्तावित की थी परंतु योजना का क्रियान्वयन ना होने से अरपा नदी प्रेमी जनमानस उद्वेलित है। प्रतिनिधिमंडल ने कलेक्टर से मांग की है कि मुख्यमंत्री एवं राजस्व मंत्री की घोषणा के अनुरूप अरपा उद्गम पेंड्रा की भूमि से पार्टी गई मिट्टी हटाई जा कर उक्त भूमि का अधिग्रहण कर वहां स्टॉप डेम या कुंड कुंड का निर्माण कराया जाए ताकि अरपा उद्गम पेंड्रा का संरक्षण एवं संवर्धन किया जा सके। प्रतिनिधिमंडल ने मांग की है कि इसके साथ सहायक नदियों के उद्गम का भी संरक्षण किया जाना चाहिए।

कलेक्टर से मिलने गए प्रतिनिधिमंडल में डॉक्टर सोमनाथ यादव संयोजक अ र पा बचाओ अभियान, डॉक्टर सुधाकर बिबे, महेश श्रीवास, राजेंद्र मौर्य, अजय तिवारी, सतीश पांडे, बिलासा कला मंच बिलासपुर तथा अरपा उद्गम बचाओ संघर्ष समिति पेंड्रा केअक्षय नामदेव, वरिष्ठ समाजसेवी दुर्गा प्रसाद अग्रवाल, रामनिवास तिवारी, गणेश पांडे, जिला कांग्रेस कमेटी के सचिव पीतांबर सिंह मार्को, आदिवासी नेताभागवत सिंह मार्को सहित अरपा उद्गम बचाओ संघर्ष समिति पेंड्रा के सदस्य उपस्थित थे।

नदियों के संरक्षण में पेड़ पौधों की भूमिका पर संगोष्ठी आयोजित- अरपा बचाओ अभियान बिलासा कला मंच बिलासपुर एवं अरपा उद्गम बचाओ संघर्ष समिति पेंड्रा के संयुक्त प्रतिनिधि मंडल द्वारा द्वारा कलेक्टर को ज्ञापन सौंपने के बाद नदियों के संरक्षण में पेड़ पौधों की भूमिका विषय पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया जिसमें सदस्यों ने विचार रखें।

कार्यपालक निदेशक ने शहर के उपकेन्द्रों का निरीक्षण किया

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड बिलासपुर क्षेत्र के कार्यपालक निदेशक श्री संजय पटेल शहर के विभिन्न 33/11 केव्ही उपकेन्द्रों के निरीक्षण में पहुंचे। इस दौरान अधिकारियों को उपकेन्द्रों की साफ-सफाई, पॉवर प्रोटेक्शन सुधार, एबी स्वीच बदलने एवं यार्ड में लाईटिंग की व्यवस्था आदि कार्यों के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये।

कार्यपालक निदेशक श्री पटेल द्वारा बिलासपुर नगर वृत्त के अंतर्गत शहर में स्थापित 33/11 केव्ही उपकेन्द्र व्यापार विहार, एस.बी.आर. कालेज एवं इंदिरा विहार का निरीक्षण किया गया। इस दौरान उपस्थित अधिकारियों को व्ही.सी.बी. को सर्किट में लेने, यार्ड की उंचाई बढाने, सभी फीडरों में आवश्यक सुधार करने, 33 एवं 11 केव्ही बाईपास/खराब आइसोलेटर को बदलने व जर्जर कंट्रोल रूम के सुधार कार्य के साथ ही सभी अर्थिंग पिट एवं उपकेन्द्रो में पानी की समुचित व्यवस्था करने के निर्देश दिये। उपकेन्द्रों में स्थापित उपकरणों के रखरखाव एवं उन्हे खराब होने से बचाने के लिये तकनीकी निर्देश भी दिये गये।

इस अवसर पर नगर वृत्त के अधीक्षण अभियंता श्री वाय.के.मनहर, सहायक अभियंता श्रीमती श्वेता कोसरिया, श्रीमती संचारी सिंह, श्री दीप्तेन मुखर्जी, सिविल संभाग के सहायक अभियंता श्री हितेश पंडवार एवं कनिष्ठ अभियंतागण उपस्थित थे।

आप का विधानसभा कार्यकर्ता सम्मेलन उद्योग भवन में संपन्न

50 से अधिक लोगो ने ली पार्टी की सदस्यता

बिलासपुर। आपका विधानसभा के कार्यकर्ता सम्मेलन में प्रदेश संगठन मंत्री भानु चंद्रा , सह संगठन मंत्री शिवनाथ केसरवानी , प्रदेश प्रवक्ता प्रियंका शुक्ला, जिला अध्यक्ष सलीम काजी, बिलासपुर विधानसभा अध्यक्ष ईश्वर चंदेल , बिलासपुर जिला अध्यक्ष उज्जवला कराडे, वरिष्ठ अधिवक्ता अंसारी जी उपस्थित रहे और सभी ने कार्यकर्ताओं को संबोधित कियाद्य सभी वक्ताओं ने कार्यकर्ताओं को दिल्ली सरकार द्वारा किए जा रहे हैं कार्यों को जन जन के बीच में ले जाकर बताने का आग्रह किय. संगठन मंत्री भानु चंद्र ने बताया कि 25 मई से 25 जून तक आम आदमी पार्टी के सभी कार्यकर्ता 4-4 की टीम बनाकर ग्राम सभा एवं मोहल्ला सभा आयोजित करेंगे और वहां जन-जन के बीच में दिल्ली सरकार द्वारा आम जनता के लिए किए गए कार्य चाहे वह शिक्षा के क्षेत्र में हो चाहे वह चिकित्सा के क्षेत्र में हो की जानकारी देंगे और आम जनता को पार्टी से जुड़ कर छत्तीसगढ़ में भी व्यवस्था परिवर्तन के लिए कार्य करेंगे।

कृषि नियंत्रण कक्ष की स्थापना

बिलासपुर। खरीफ एवं रबी वर्ष 2022-23 के लिए कृषि आदान सामग्री जैसे बीज, उर्वरक, कीटनाशक औषधि कल्चर एवं कृषि यंत्रों के गुण नियंत्रण से संबंधित भण्डारण, वितरण एवं नमूना लेने, प्रतिष्ठानों का निरीक्षण करने, रेक पाईंट से मार्कफेड के भंडारण केंद्रों तक मूवमेंट पर कड़ी निगरानी एवं सहकारी समितियों एवं निजी विक्रय केंद्रों के पॉस मशीन के माध्यम से उर्वरकों का विक्रय सुनिश्चित कराने एवं समय-समय पर क्षेत्र निरीक्षण कर सलाह देने हेतु जिला स्तरीय दल एवं नियंत्रण कक्ष की स्थापित किया गया है। उप संचालक कृषि ने बताया कि नियंत्रण कक्ष प्रतिदिन सुबह 10 बजे से शाम 5.30 बजे तक संचालित होगा।

प्राध्यापक का सनसनीखेज आरोप- साथियों नें लंच बाक्स में मिलाया ज़हर

पुलिस कप्तान से शिकायत बताया- 35 दिनों तक किया जिन्दगी मौत से संघर्ष

बिलासपुर। मस्तूरी शासकीय पातालेश्वर महाविद्यालय के प्रोफेसर ने साथी प्राध्यापकों पर जान से मारने का प्रयास का आरोप लगाया है। पुलिस कप्तान से मिलकर प्राध्यापक ने लिखित शिकायत में बताया कि महाविद्यालय के कर्मचारी और अधिकारियों ने साजिश के तहत मौका पैकर लंच बाक्स में जहर मिलाया। तबीयत बिगडने के बाद अपोलो में भर्ती हुआ। 35 दिनों की इलाज के बाद अपोलो से ठीक होकर बाहर आया है। अभी भी उसके जान को खतरा है।

मस्तूरी स्थित पातालेश्वर महाविद्यालय के प्राध्यापक एल के निराला ने कालेज के साथियों पर उसके लंच बाक्स में जहर मिलाने का आरोप लगाया है। अपनी लिखित शिकायत में प्राध्यापक निराला ने पुलिस कप्तान को लिखित शिकायत में बताया कि सीपत रोड स्थित मोपका में का रहने वाला हूं। और दिव्यांग भी हू। हमेशा की तरह 17 फरवरी को भी घर से लंच बाक्स और पानी लेकर कालेज गया।करीब 12 बजे के आसपास अपने कमरे में लंच में दो रोटी खाया। इसके बाद अपने लैबोटरी सहायक बृजेश कुमार कोरी के साथ काम में व्यस्त हो गया।

पुलिस कप्तान को अपनी शिकायत मे प्राध्यापक निराला ने बताया कि लंच के कुछ देर बाद खुद को असहज महसूस किया। और परेशानी भी बढ़ती गयी। परेशानियों के बीच शाम को ड्यूटी खत्म कर घर आया और सीधे बिस्तर पर चला गया। परेशानी बढने पर परिजनों को स्थित के बारे में बताया। आनन फानन में उनको अपोलो हास्पिटल में भर्ती कराया गया।

गंभीर हालत देखते ही चिकित्सकों ने सीधे आईसीयू में भर्ती किया। जांच पडताल के बाद डाक्टर ने बताया कि भोजन के साथ उन्होने जहर का सेवन किया है। क्योंकि भोजन में जहर पाया गया है। करीब 35 दिनों तक अपोलो में इलाज चला। प्रोफेसर ने पुलिस कप्तान को बताया कि अपोलो से रीलिव होने के बाद शिकायत करने आया हूं। उन्हें जान का खतरा है। ना जाने लंच में किसने जहर मिलाया। मामले की जांच किया जाए। प्रोफेसर केएल निराला ने आरोप लगाया है कि कालेज में ही किसी ने मौका मिलते ही लंच बाक्स में जहर मिलाया है। निराला के अनुसार पिछले दो साल से उन्हें कालेज के कर्मचारी और अधिकारी प्रताड़ित कर रहे हैं।

झीरमघाटी कांड के नए आयोग की कार्यवाही पर रोक

हाईकोर्ट ने सरकार से मांगा जवाब

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ के बहुचर्चित झीरमघाटी कांड के नए आयोग की सुनवाई और कार्यवाही पर हाईकोर्ट ने रोक लगा दी है। विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष धरमलाल कौशिक ने राज्य शासन के नए आयोग के गठन करने की वैधानिकता को हाईकोर्ट में चुनौती दी। मामले की सुनवाई करते हुए चीफ जस्टिस अरूप कुमार गोस्वामी और जस्टिस आरसीएस सामंत ने राज्य शासन और आयोग को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। प्रकरण की अगली सुनवाई अब चार जुलाई को होगी।

बुधवार को इस मामले में अधिवक्ता विवेक शर्मा के साथ सुप्रीम कोर्ट के सीनियर एडवोकेट महेश जेठमलानी ने तर्क प्रस्तुत किया। उन्होंने कोर्ट से कहा कि जस्टिस प्रशांत मिश्रा की आयोग ने जांच पूरी कर रिपोर्ट शासन को सौंप दी है, जिसे 6 माह के भीतर विधानसभा में रखा जाना था। लेकिन, सरकार ने रिपोर्ट सार्वजनिक किए बिना ही नया आयोग गठित कर दिया है। याचिका में उन्होंने आयोग गठन की प्रक्रिया को भी अवैधानिक बताया है।

नेता प्रतिपक्ष धरमलाल कौशिक ने अधिवक्ता विवेक शर्मा के माध्यम से जनहित दायर याचिका में बताया है कि पूर्व में राज्य सरकार ने झीरम घाटी कांड की जांच के लिए हाईकोर्ट के जस्टिस प्रशांत मिश्रा की अध्यक्षता में न्यायिक जांच आयोग का गठन किया था। तब से आयोग पिछले आठ साल से इस मामले की सुनवाई कर रही थी। जांच पूरी होने के बाद जस्टिस प्रशांत मिश्रा ने चीफ जस्टिस बनने के पहले अपनी जांच रिपोर्ट राज्य शासन को सौंप दी है। कानून के अनुसार किसी आयोग की जांच रिपोर्ट को छह माह के भीतर विधानसभा में प्रस्तुत कर सार्वजनिक किया जाना चाहिए। लेकिन, सरकार ने ऐसा नहीं किया। राज्य शासन ने करीब पांच माह पहले दो सदस्यीय रिटायर्ड जस्टिस सुनील अग्निहोत्री और जस्टिस मिन्हाजुद्दीन के न्यायिक जांच आयोग का गठन कर दिया ह

नए आयोग को भंग करने की मांग

याचिका में कहा गया है कि जस्टिस प्रशांत मिश्रा आयोग की जांच रिपोर्ट को विधानसभा में रखकर उसे सार्वजनिक करने की मांग की गई है।

परसा कोल ब्लाक से छट गया अंधेरा

हाईकोर्ट ने हसदेव क्षेत्र ग्रामीणों की याचिका को किया खारिज

बिलासपुर । हाईकोर्ट ने परसा कोल ब्लाक खदान और जमीन अधिग्रहण को लेकर हसदेव क्षेत्र की याचिका को खारिज कर दिया है। हाईकोर्ट ने अपने फैसले में परसा कोल ब्लाक के लिए जमीन अधिग्रहण प्रक्रिया को विधि सम्मत बताया। कोर्ट ने कोयला की वर्तमान किल्लत को देखते हुए खदान की शुरूआत जरूरी है। राजस्थान राज्य विद्युत उत्पादन निगम को आवंटित परसा कोल ब्लॉक को लेकर हाईकोर्ट ने फैसला कर दिया है। जानकारी देते चलें कि परसा कोल ब्लाक कोयला उत्खनन के साथ जमीन अधिग्रहण के खिलाफ हसदेव क्षेत्र के ग्रामीणों ने याचिका दायर किया था। मामले में दो दिनों तक चार और पांच मई को डिवीजन बैंच में सभी पक्षों की सुनवाई और बहस हुई। आज याचिकाओं को खारिज करते हुए हाईकोर्ट ने परसा कोल ब्लॉक के लिए जमीन अधिग्रहण प्रक्रिया को विधिसम्मत बताया।

पुलिस पेट्रोलिंग के लिए 3 नए वाहनों को एसएसपी ने दिखाई हरी झंडी

बिलासपुर । शहर के आउटर छेत्रों में लगातार हो रही सड़क दुर्घटनाओं को लेकर पुलिस प्रशासन के द्वारा पहल की गई है।इसी कड़ी में बिलासपुर पुलिस ने एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिट हाइवे पेट्रोलिंगयोजना शुरू की है। जहा देखा जा रहा था कि विगत कुछ वर्षों से शहर से लगे हाइवो पर लगातार सड़क दुर्घटनाओ हो रही है जिसे देखते हुए यातायात विभाग व पुलिस प्रशासन द्वारा ब्लेक स्पॉट के माध्यम से दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने का प्रयास कर लोगो को जागरूक करने का प्रयास करते आ रही है उसके बावजूद कहीं न कहीं सड़क हादसों पर लोगों की जान जा रही है। जिसे देखते हुए बुधवार की दोपहर पुलिस अधीक्षक कार्यालय बिलासपुर से एसएसपी पारूल माथुर ने तीन वाहनों को विधिविधान से पूजा अर्चना कर हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस दौरान उन्होंने जानकारी देते हुए बताया कि हाइवे की सड़कों पर हादसों पर रोकथाम के लिए जरूरत के मुताबिक विशेष पट्रोलिंग की जरूरत को ध्यान में रखते हुए एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिट की शुरुआत की जा रही जो हाइवे में रहकर सड़क हादसों सहित विभिन्न घटनाओं पर अंकुश लगाने का काम करेगी।

शहर के अन्य उद्यानों का भी सौन्दर्यकरण करेगी नगर निगम

शहर के उद्यानों का होगा कायाकल्प

बिलासपुर। शहर को हरा-भरा रखने के साथ शहरवासियों को एक बेहतर उद्यान उपलब्ध कराने के लिए पिछले दिनों राजेंद्र नगर चौक में उद्यान का कायाकल्प कराया गया और उसे जनता को समर्पित किया गया इस उद्यान के बनने के बाद बड़ी संख्या में शहरवासी प्रतिदिन यहां पहुंचते हैं और मनोरंजन के साथ सुकून के कुछ पल भी यहां बिताते हैं उद्यान को मिली सफलता को देखते हुए अब नगर निगम ऐसे ही उद्यान शहर के अन्य स्थानों में भी बनाने की कोशिश कर रहा है जिसके तहत नगर निगम ने प्रथम चरण में तिलक नगर पोस्ट ऑफिस के सामने स्थित कोनहेर गार्डन को भी नया स्वरूप देने योजना पर कार्य शुरू किया है जिसके तहत आने वाले समय में यहां उद्यान भी लोगों के लिए सुकून के कुछ पल बिताने के लिए

बेहतर स्थान होगा । आने वाले समय में नगर निगम शहर में ऐसे ही उद्यानों का कायाकल्प करेगा जिसके माध्यम से शहरवासी यहां पहुंच कर आनंद ले सकेंगे जाहिर तौर पर नगर निगम की यह कोशिश शहरवासियों के लिए आने वाले समय में लाभदायक होने वाली है क्योंकि शहर में सीमित उद्यान होने से शहरवासियों को समस्या होती थी लेकिन अब नगर निगम की इस कोशिश के बाद निश्चित तौर पर शहर वासियों को उद्यानों का विकल्प मिल सकेगा जहां पहुंचकर वे परिवार के साथ आनंद के कुछ पल बिता सकेंगे।

जाहिर तौर पर शहर को सुंदर और स्वच्छ बनाने के लिए नगर निगम पिछले कुछ वर्षों से लगातार इस दिशा में काम कर रहा है तो वही बिलासपुर स्मार्ट सिटी लिमिटेड के तहत भी शहर में कई परियोजनाएं और सुंदरीकरण के दृष्टिकोण से विकास कार्य किए जा रहे हैं ऐसे में उद्यानों का कायाकल्प कर उन्हें नया स्वरूप देने की कोशिश शहरवासियों को भी पसंद आ रही है शहर के विकास के लिए भी बहुत योगी है.

संपादकीय

खतरे की घंटी

हाल में पंजाब के पटियाला में कथित तौर पर खालिस्तान के समर्थन और विरोध से जुड़े प्रदर्शनों के बाद अब हिमाचल प्रदेश में जिस तरह की घटना सामने आई है, उससे लगता है कि कोई अराजक समूह फिर देश में हंगामे का माहौल पैदा करना चाहता है। गौरतलब है कि धर्मशाला में हिमाचल विधानसभा परिसर के एक दरवाजे और उसके पास बाहरी दीवारों पर किसी ने खालिस्तान के झंडे लगा दिए, कुछ आपत्तिजनक नारे लिख दिए। जाहिर है, इस करतूत को अंजाम देने वालों ने सोच-समझ कर इस जगह का चुनाव किया था, क्योंकि इससे उन्हें और उनके मुद्दे को पर्याप्त चर्चा मिल सकती थी।

लेकिन सवाल है कि विधानसभा जैसी सबसे सुरक्षित मानी जाने वाली जगह और परिसर की सुरक्षा व्यवस्था में लगा समूचा तंत्र क्या कर रहा था कि इसकी दीवारों और दरवाजों पर कोई खालिस्तान का झंडा लगा कर और नारे लिख कर भाग गया ! जब मामले ने तूल पकड़ लिया तब सरकार और पुलिस प्रशासन की ओर से मामले की जांच के लिए विशेष जांच दल का गठन करने की बात कही गई। लेकिन आखिर ऐसा क्यों होता है कि किसी बड़ी घटना के बाद ही संबंधित महकमे सक्रिय होते हैं।

हैरानी की बात यह है कि हिमाचल प्रदेश में खालिस्तानी झंडा लगाने की यह घटना अचानक नहीं हुई। खुद खुफिया विभाग ने करीब डेढ़ महीने पहले इससे संबंधित चेतावनी देते हुए कहा था कि खालिस्तान समर्थक संगठन सिख फार जस्टिस के मुखिया गुरुपतवंत सिंह पन्नू ने पत्र जारी कर शिमला में खालिस्तान का झंडा फहराने की धमकी दी थी। इस तरह की स्पष्ट धमकी के बावजूद संबंधित महकमों ने सावधान और चौकस रहना जरूरी क्यों नहीं समझा? हालत यह है कि खबरों के मुताबिक हिमाचल विधानसभा भवन के जिस दरवाजे पर झंडा लगाने की ताजा हरकत की गई, वहां गेट और उसके आसपास सीसीटीवी कैमरा भी नहीं था।हर कुछ समय बाद आतंकवादियों से लोहा लेने का दावा करना वाला तंत्र यह किस तरह की सुरक्षा-व्यवस्था सुनिश्चित करता है कि अपराधी तत्त्वों को कोई गैरकानूनी हरकत करके निकल जाने में आसानी हो? अब राज्य के मुख्यमंत्री ने भले ही इसे कायराना हरकत बताते हुए इसकी निंदा की है, लेकिन सच यह है कि विधानसभा जैसे सत्ता तंत्र के अन्य केंद्र देश विरोधी तत्त्वों के खास निशाने पर होते हैं और इसकी सुरक्षा सुनिश्चित करना उनकी जिम्मेदारी है।

हो सकता है कि फिलहाल ऐसी घटनाएं इक्का-दुक्का प्रयासों के तौर पर ही देखी गई हैं, लेकिन अगर अभी ही इसे गंभीरता से नहीं लिया गया तो इस बात की कोई गारंटी नहीं कि आने वाले वक्त में यह जटिल स्वरूप न ले ले। खासतौर पर खालिस्तान के मुद्दे पर अतीत में कैसी जटिल स्थितियां खड़ी हुई थीं और उसके क्या खमियाजे सामने आए थे, यह किसी से छिपा नहीं है। बड़ी कीमत चुका कर उस दौर में इस मुद्दे से जुड़ी गतिविधियों को काबू में किया गया था और इसमें लिप्त लोगों और समूहों को हाशिये पर ले जाने में कामयाबी हासिल की गई थी।

कितने सुरक्षित हैं विद्युत वाहन

ऊर्जा संकट के मद्देनजर और प्रदूषण कम करने के लिए सरकार देश में विद्युत चालित वाहनों (ई-वाहन) को बढ़ावा दे रही है। इसके लिए खरीद में रियायत और करों में छूट जैसे कदम उठाए गए हैं। इससे लोगों में इन वाहनों के प्रति उत्साह बढ़ा है। इस समय करीब ग्यारह लाख ई-वाहन सड़कों पर दौड़ रहे हैं। फेडरेशन आफ आटोमोबाइल डीलर एसोसिएशन के मुताबिक वित्त वर्ष 2021-22 में ही चार लाख से ज्यादा ई-वाहनों की बिक्री हुई। खासतौर से बैटरी से चलने वाले स्कूटरों की मांग तो काफी तेजी से बढ़ रही है। इस साल केवल मार्च महीने में ही करीब चालीस हजार ई-स्कूटरों की बिक्री हुई थी। अप्रैल में यह आंकड़ा और बढ़ गया। इसका एक कारण यह भी है कि पेट्रोल-डीजल की लगातार बढ़ती कीमतों के कारण भी लोग ई-वाहनों की ओर आकर्षित हो रहे हैं। लेकिन इसके साथ ही एक बड़ा खतरा भी डराने लगा है।

(योगेश कुमार गोयल)

हाल में बिजली चालित वाहनों में आग की घटनाएं जिस तेजी से बढ़ी रही हैं, उससे सुरक्षा संबंधी सवाल खड़ा हो गया है। सवाल यह भी उठ रहे हैं कि भले ही पर्यावरण के लिहाज से बिजली चालित वाहन आज की जरूरत हैं, लेकिन क्या बिना उचित परीक्षण अथवा जांच-परख के ही इन्हें केवल वाहवाही लूटने के लिए सड़कों पर उतार दिया गया?

ऊर्जा संकट के मद्देनजर और प्रदूषण कम करने के लिए सरकार देश में विद्युत चालित वाहनों (ई-वाहन) को बढ़ावा दे रही है। इसके लिए खरीद में रियायत और करों में छूट जैसे कदम उठाए गए हैं। इससे लोगों में इन वाहनों के प्रति उत्साह बढ़ा है। इस समय करीब ग्यारह लाख ई-वाहन सड़कों पर दौड़ रहे हैं। फेडरेशन आफ आटोमोबाइल डीलर एसोसिएशन के मुताबिक वित्त वर्ष 2021-22 में ही चार लाख से ज्यादा ई-वाहनों की बिक्री हुई। खासतौर से बैटरी से चलने वाले स्कूटरों की मांग तो काफी तेजी से बढ़ रही है। इस साल केवल मार्च महीने में ही करीब चालीस हजार ई-स्कूटरों की बिक्री हुई थी। अप्रैल में यह आंकड़ा और बढ़ गया। इसका एक कारण यह भी है कि पेट्रोल-डीजल की लगातार बढ़ती कीमतों के कारण भी लोग ई-वाहनों की ओर आकर्षित हो रहे हैं। लेकिन इसके साथ ही एक बड़ा खतरा भी डराने लगा है।

हाल में बिजली चालित वाहनों में आग की घटनाएं जिस तेजी से बढ़ी रही हैं, उससे सुरक्षा संबंधी सवाल खड़ा हो गया है। सवाल यह भी उठ रहे हैं कि भले ही पर्यावरण के लिहाज से बिजली चालित वाहन आज की जरूरत हैं, लेकिन क्या बिना उचित परीक्षण अथवा जांच-परख के ही इन्हें केवल वाहवाही लूटने के लिए सड़कों पर उतार दिया गया?

पिछले हफ्ते भोपाल में एक इंजीनियरिंग छात्र उस समय हादसे का शिकार होने से बाल-बाल बच गया जब स्कूटर चालू करते समय उसमें आग लग गई। पिछले महीने आंध्र प्रदेश के विजयवाड़ा में घर में चार्जिंग पर लगी स्कूटर की बैटरी फटने से एक व्यक्ति की मौत हो गई थी। हैदराबाद के पास निजामाबाद में भी स्कूटर की बैटरी में आग लगने में अस्सी साल के बुजुर्ग

की मौत हो गई। हाल के महीनों में ऐसी अनगिनत घटनाएं सामने आई हैं। ई-स्कूटरों में आग लगने की बढ़ती घटनाओं से चिंतित सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय ने 25 अप्रैल को बिजली वाहन निर्माता कंपनियों की बैठक बुलाई थी।

इस बैठक में कंपनियों को आग लगने की घटनाओं की जांच पूरी होने तक नए वाहन बाजार में नहीं उतारने की सलाह दी गई थी। हालांकि बार-बार हो रहे ऐसे हादसों के बाद अब कंपनियां खुद इस बात की जांच करवा रही हैं कि बैटरियों के साथ ऐसी दिक्कतें क्यों आ रही हैं। सरकार के सख्त रुख के बाद कई कंपनियों ने अपने स्कूटर वापस ले लिए।

ऐसे हादसों को लेकर सरकार का सख्त रुख जायज है। यह मुद्दा गंभीर इसलिए भी है कि सीधे तौर पर लोगों की सुरक्षा से जुड़ा है। इसलिए सरकार सक्रिय हुई और बिजली वाहन निर्माता कंपनियों को कसा। सरकार ने कहा भी है कि ऐसे मामलों की जांच के लिए उसने जो विशेषज्ञों का पैनल बनाया है, उसकी रिपोर्ट आने के बाद दोषी कंपनियों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। सरकार ने इस बात का भी संकेत दिया है कि वह जल्द ही बिजली चालित वाहनों की गुणवत्ता को लेकर दिशा-निर्देश जारी करेगी।

उल्लेखनीय है कि बिजली वाहनों में आग की घटनाएं सामने आने के बाद केंद्र सरकार ने सेंटर फार फायर एक्सप्लोसिव एंड एनवायरनमेंट सेफ्टी (सीएफईईएस), डीआरडीओ और आइआइएससी (बंगलुरु) के विशेषज्ञों को ऐसे मामलों की जांच करने का आदेश दिया गया था। समिति की प्रारंभिक जांच में विशेषज्ञों ने देश में लगभग सभी दोपहिया बिजली वाहनों में आग की घटनाओं में बैटरी सेल या डिजाइन में खामियां होने की ओर इशारा किया है। विशेषज्ञ अब बैटरी संबंधी समस्याओं पर वाहन निर्माताओं के साथ मिल कर काम करेंगे।

दरअसल, बिजली वाहनों में लीथियम आयन बैटरी लगाई जाती है, जिनका इस्तेमाल मोबाइल, लैपटाप आदि में भी होता है। इन बैटरियों की खूबी यही है कि ये न केवल बहुत हल्की होती हैं, बल्कि इनमें अधिक ऊर्जा भी एकत्रित हो सकती है। जहां एसिड वाली लेड बैटरी केवल पच्चीस वाट प्रति घंटा प्रति किलो ऊर्जा जमा कर सकती है, वहीं निकेल हाइड्राइड बैटरी प्रति घंटा सौ वाट ऊर्जा संग्रह कर सकती है, जबकि लीथियम आयन बैटरी डेढ़ सौ वाट तक ऊर्जा संग्रहण की क्षमता से युक्त होती है। यह बैटरी भी लंबे समय तक चलती है, इसीलिए इसका चलन भी ज्यादा हो रहा है, लेकिन साथ ही इसमें जोखिम भी बहुत ज्यादा है।

लिथियम आयन के अलावा दुनिया में कुछ जगहों पर लिथियम फास्फेट बैटरी का भी इस्तेमाल किया जाता है। यह ज्यादा गर्मी को भी सहन कर लेती है। जबकि लिथियम आयन बैटरी बहुत ज्यादा गर्मी सहन करने में सक्षम नहीं होती।

दिल्ली की गद्दी पर दक्षिण के दावे

(एस श्रीनिवासन, वरिष्ठ पत्रकार)

भारत केराजनीतिक इतिहास में दक्षिण से केवल दो प्रधानमंत्री रहे हैं, पी वी नरसिम्हा राव और एच डी देवेगौड़ा। घटनाओं के अप्रत्याशित मोड़ के बाद दोनों 1990 के दशक में इस पद पर पहुंचे। 1991 में राजीव गांधी की हत्या के बाद राव को कांग्रेस पार्टी का नेतृत्व करने के लिए चुना गया था। 1996 के चुनावों में कांग्रेस पार्टी के खराब प्रदर्शन और भाजपा की 13 दिन पुरानी सरकार गिरने के बाद देवेगौड़ा इस पद पर पहुंचे थे।

राव कांग्रेस पार्टी के सबसे वरिष्ठ नेताओं में से एक थे और सेवानिवृत्ति की योजना बना रहे थे, जब अचानक घटनाओं ने उन्हें केंद्र में ला खड़ा किया। यह सीपीएम की ऐतिहासिक भूल थी, जिसने ज्योति बसु को प्रधानमंत्री नहीं बनने दिया, जिसके और प्रधानमंत्री पद के लिए आम सहमति के उम्मीदवार के रूप में देवेगौड़ा के चयन को आसान बनाया। नायडू बाद में किनारे हो गए और राष्ट्रीय जनतांत्रिक मोर्चे के संयोजक बने, जिसमें भाजपा भी शामिल थी।

बहरहाल, पिछले 25 सालों में बहुत कुछ बदल गया है। दक्षिण के क्षेत्रीय दलों ने भाजपा के जवाब में अपना किला तो मजबूत रखा है, पर वे शायद ही वैकल्पिक नेतृत्व या राष्ट्रीय दृष्टिकोण पेश करने की स्थिति में हैं। वास्तव में तेलंगाना राष्ट्रीय समिति या टीआरएस नेता के चंद्रशेखर राव को छोड़कर किसी ने भी दिल्ली की गद्दी पर विराजने की इच्छा व्यक्त नहीं की है।

के चंद्रशेखर राव, जिन्हें केसीआर के नाम से भी जानते हैं, मुख्यमंत्री के रूप में अपने दूसरे कार्यकाल में 2019 से संभावित तीसरे मोर्चे के नेता के रूप में उभरने के संकेत दे रहे हैं। हालांकि, उनकी इस कोशिश पर किसी ने गंभीरता से ध्यान

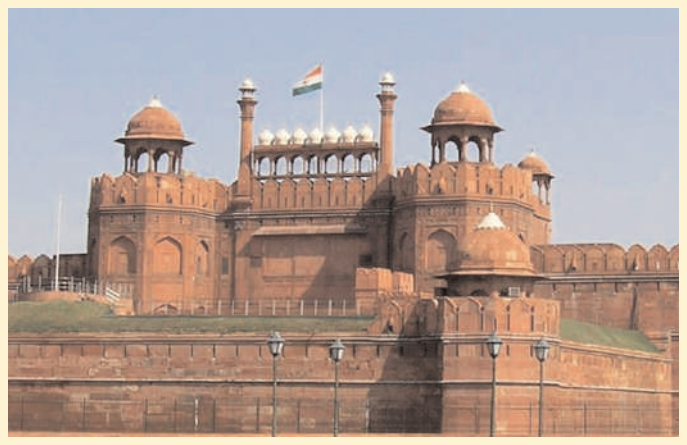

नहीं दिया है। कारण यह है कि उनकी कोशिश अविश्वसनीय नजर आती है। कभी राव यूपीए सरकार का हिस्सा थे, मगर उन्होंने वह गठबंधन छोड़ने में कतई समय बर्बाद नहीं किया और बाद में नवगठित तेलंगाना के मुख्यमंत्री बनने के बाद उन्होंने खुद को एनडीए से जोड़ लिया। उन्हें अवसरवादी के रूप में देखा गया। केसीआर ने प्रधानमंत्री पद की चाह का प्रदर्शन तब शुरू किया, जब उनके गृह राज्य में भाजपा प्रमुख विपक्ष पार्टी के रूप में उभर आई। इससे पहले केसीआर ने तेलंगाना में कांग्रेस को कड़ी मेहनत से लगभग खत्म कर दिया था, शायद ही उन्होंने इस बात को महसूस किया कि कांग्रेस का स्थान जल्द ही एक बड़ी, दुर्जेय प्रतिद्वंद्वी, भाजपा से भर जाएगा।

इसलिए जब वह अन्य विपक्षी नेताओं से सहयोग का हाथ मांग रहे हैं, तो कोई जवाब नहीं दे रहा है। फिर भी केसीआर-समर्थकों को लगता है कि वह प्रधानमंत्री पद के योग्य हैं। केसीआर ने नवगठित राज्य को सफलतापूर्वक चलाया है, ऐसा सभी क्षेत्रीय दल नहीं कर सके हैं। उन्होंने अपने बेटे को उत्तराधिकारी भी चुन लिया है, पर अभी राज्याभिषेक कराने में असमर्थ हैं।

परिणामस्वरूप यह पद देवेगौड़ा की गोद में जा गिरा। राव और देवेगौड़ा का उदय कितना भी अप्रत्याशित क्यों न हो, इसने इस धारणा को चुनौती दी थी कि प्रधानमंत्री कार्यालय का मार्ग अनिवार्य रूप से भारत के सबसे अधिक आबादी वाले राज्य उत्तर प्रदेश से होकर गुजरना चाहिए।

हम देखते हैं कि उत्तरी राज्यों पर बहुत अधिक निर्भरता की अपनी मूल राजनीति के साथ भाजपा ने हिंदी पट्टी पर ज्यादा ध्यान केंद्रित कर रखा है। यद्यपि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गुजरात से हैं, फिर भी उन्होंने बनारस को अपने निर्वाचन क्षेत्र के रूप में चुना, जिससे राष्ट्रीय राजनीति में हिंदी गढ़ के महत्व को ही बल मिला।

दो ऐसे अवसर भी आए, जब दक्षिण के नेता प्रधानमंत्री कार्यालय में विराजने से वंचित रह गए, लेकिन 'किंगमेकर' के रूप में जरूर उभरे। अभिनेता से नेता बने एन टी रामाराव 1988 में नेशनल फ्रंट के नेता बने। हालांकि, वह शायद ही एक राजनीतिक दिग्गज थे, लेकिन उन्हें वी पी सिंह, ज्योति बसु, बीजू पटनायक और देवी लाल जैसे लोगों ने स्वीकार किया।

आठ साल बाद राव के दामाद, चंद्रबाबू नायडू, धर्मनिरपेक्ष संयुक्त मोर्चे के नेता बने

अफ्रीकी देशों में बढ़ती भुखमरी पर लगाम लगाना जरूरी

(भारत डोगरा, सामाजिक कार्यकर्ता)

यूक्रेन संकट का एक ऐसा प्रतिकूल असर भी पड़ा है, जिस ओर अभी तक दुनिया का बहुत कम ध्यान गया है। यह असर बहुत दूर स्थित अफ्रीका महाद्वीप के देशों में चिंता का कारण बन रहा है। इन देशों का खाद्य संकट पहले से और विकट हो रहा है। दरअसल, अफ्रीका के अनेक देशों में लंबे समय से चल रहे सूखे, आंतरिक हिंसा व अन्य कारणों से पहले से खाद्य संकट मौजूद था। इनमें से अनेक देश यूक्रेन और रूस पर कुछ मुख्य खाद्य उत्पादों, जैसे गेहूं, मक्का, खाद्य तेल आदि के लिए काफी हद तक निर्भर थे। इसके अतिरिक्त इन देशों से उन्हें रासायनिक खाद भी अधिक मात्रा में मिलती थी, जिस पर उनकी अपनी खाद्य उत्पादन क्षमता आश्रित है। यहां यह बात ध्यान में रखनी चाहिए कि विदेशी परियोजनाओं व विशेषज्ञों ने अफ्रीका पर एजीआरए व अन्य परियोजनाओं के अंतर्गत रासायनिक खाद, कीटनाशकों व महंगे बीजों पर आधारित खेती का दबाव बनाया है, जिसके कारण यहां की धरती, जो पहले आत्मनिर्भर थी, अब रासायनिक खाद के आयात पर अधिक निर्भर हो गई है।

यूक्रेन युद्ध छिड़ने से खाद्य व खाद, दोनों के आयात कम होने के कारण अफ्रीका महाद्वीप के अनेक देशों की खाद्य स्थिति पहले से और बिगड़ गई है। उल्लेखनीय है कि युद्ध के आरंभ होने से पहले ही यहां विश्व खाद्य कार्यक्रम व अन्य संस्थानों के अधिकारी चेतावनी दे रहे थे कि इस वर्ष खाद्य संकट पहले से अधिक बिगड़ सकता है। विश्व खाद्य कार्यक्रम उन अंतरराष्ट्रीय संस्थानों में प्रमुख है, जो अफ्रीका के खाद्य संकट से त्रस्त क्षेत्रों में खाद्य उपलब्धि कार्यक्रम चलाते हैं। इसके लिए इस कार्यक्रम द्वारा अनाज की खरीद पहले यूक्रेन में की जाती थी। पूर्वी अफ्रीका में 'हॉर्न ऑफ अफ्रीका' क्षेत्र को अकाल की स्थिति से अधिक प्रभावित बताया गया है। इसमें मुख्य रूप से सोमालिया, इथिओपिया जैसे बड़े देश हैं और केन्या के कुछ भाग भी हैं। यहां हाल के वर्षों में बारिश बहुत कम हुई है। आंतरिक हिंसा से जुड़ी समस्याएं भी हैं। इसके मिले-जुले असर ने यहां खाद्य स्थिति बहुत बिगाड़ दी है।

जलवायु परिवर्तन के इस दौर में प्रतिकूल मौसम की आशंका वैसे ही बढ़ गई है। इस स्थिति में अमन-शांति बनाए रखना बहुत जरूरी है। मगर त्रासदी यह है कि इस संवेदनशील व नाजुक दौर में भी अफ्रीका के अनेक देशों में आंतरिक हिंसा बहुत हुई है, और हो रही है। इथिओपिया, नाइजीरिया व सूडान जैसे बड़े देश हिंसा से बहुत प्रभावित हुए हैं। गृह युद्ध के बाद सूडान दो देशों में बंट चुका है- सूडान व दक्षिण सूडान। बढ़ती भूख की समस्या के बीच यह याद दिलाना भी जरूरी है कि वर्ष 1971-2011 के 40 वर्षों के बीच सेहल, हॉर्न ऑफ अफ्रीका व अन्य क्षेत्रों में लाखों लोग भूख और अकाल से मारे गए हैं। विकास व पर्यावरण पर विश्व आयोग ने वर्ष 1987 में बताया था कि पिछले करीब तीन वर्षों में अफ्रीका में अकाल व भूख से लगभग दस लाख लोगों की मृत्यु हुई थी। 1970 से 2022 तक के 52 वर्षों में किसी अन्य क्षेत्र में भूख से इतनी अधिक मौतों का कोई अन्य उदाहरण नहीं है। इससे पहले साल 1959-60 के आसपास चीन में 'बड़ी छलांग' के दौर में इससे भी अधिक मौतें अकाल व भूख से हुई थीं।

खाद्य और कृषि संगठन व विश्व खाद्य कार्यक्रम ने वर्ष 2021 के आरंभ में रिपोर्ट तैयार की थी 'हंगर हॉटस्पॉट', जिसमें विश्व के उन 20 देशों की पहचान की गई थी, जहां भूख की समस्या अधिक है और भविष्य में यह अधिक उग्र हो सकती है। इन 20 देशों में से 12 अफ्रीका महाद्वीप के थे। इसके बाद के सवा वर्ष को देखें, तो अत्यधिक भूख से प्रभावित अफ्रीकी देशों व क्षेत्रों की संख्या और बढ़ गई है। नाइजीरिया व केन्या की गिनती अपेक्षाकृत ठीक-ठाक आर्थिक स्थिति वाले देशों में होती है, पर यहां के भी कुछ बड़े क्षेत्रों में भूख की समस्या विकट है।

कांग्रेस के उलट बीजेपी की बात करें, तो उसने एक नेता वाले मॉडल को कारगर तरीके से आत्मसात किया है। अटल बिहारी वाजपेयी के समय में सत्ता का वैकल्पिक केंद्र भी था। लेकिन मोदी के सामने इस तरह की भी कोई चुनौती नहीं। मोदी फिलहाल चट्टान की शक्ल अख्तियार कर चुके हैं, जिन्हें हवा के छोटे-मोटे थपेड़ों से तो कोई फर्क ही नहीं पड़ने वाला। ऐसे में सवाल उठता है कि बीजेपी को किससे चुनौती मिल सकती है? कांग्रेस के लगातार पतन के बाद कुछ मजबूत क्षेत्रीय दल ही हैं, जो बीजेपी को सीधी टक्कर दे पा रहे हैं। लेकिन उनका प्रभाव बस एकाध राज्य तक ही सीमित है।

क्या लंबे वक्त तक रहेगा बीजेपी राज?

(प्रणब ढल सामंता)

क्या हमारा मुल्क एकदलीय शासन की ओर बढ़ रहा है? यह सवाल आज भले ही एकदम वाजिब न लगे, लेकिन पहले के मुकाबले कहीं ज्यादा प्रासंगिक हो गया है। इस वक्त भारत में एक ही पार्टी का दबदबा है। यह चीज आजादी के शुरुआती वर्षों में भी देखी गई थी, जब जवाहर लाल नेहरू की अगुवाई में कांग्रेस का एकछत्र राज हुआ करता था। बस अंतर यह है कि नेहरू के जमाने में मजबूत विपक्ष का अभाव था। वहीं मौजूदा दौर में विपक्षी दल बिखरे हुए हैं।

कोई भी देश एकदलीय सियासत की तरफ दो सूरत में बढ़ता है। या तो उसके पास करिश्माई नेतृत्व हो या फिर करिश्माई कादर। भारत की बात करें, तो यहां हमेशा एकदलीय राजनीति का आधार नेतृत्व ही रहा है। चाहे हम नेहरू या इंदिरा गांधी के दौर की बात करें या फिर मौजूदा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के करिश्मे की। लेकिन किसी भी पार्टी को सत्ता में लंबे समय तक बने रहने के लिए प्रभावशाली नेतृत्व के साथ जमीनी कार्यकर्ताओं की मजबूत फौज की भी दरकार होती है।

कोई विकल्प नहीं- पीएम मोदी का यह दूसरा ही कार्यकाल है, इसलिए अभी एकदलीय शासन की चर्चा थोड़ी जल्दबाजी लग सकती है। लेकिन कांग्रेस फिलहाल अपने सबसे बुरे दौर से गुजर रही है। उसके पास ऐसा नेतृत्व नहीं, जो पार्टी में नई जान फूंक सके। इस वजह से सत्तारूढ़ दल के सामने विपक्ष जैसी कोई चुनौती है ही नहीं। दूसरे शब्दों में कहें, तो जनता के पास सत्ताधारी पार्टी का कोई मजबूत विकल्प नहीं है।

वहीं बीजेपी का यह स्वर्णिम दौर है। पश्चिम बंगाल में पार्टी को झटका जरूर लगा, लेकिन यूपी, उत्तराखंड, गोवा और मणिपुर की शानदार जीत से उसके हौसले बुलंद हैं। बीजेपी हर वर्ग से आने वाले नेताओं को अगुवाई का मौका देती है। दूसरी ओर, कांग्रेस की पहचान नेहरू परिवार से आने वाले नेताओं के इर्द-गिर्द ही सिमटी रही है। वह चाहकर भी इस छवि से कभी बाहर नहीं निकल पाई। गांधी परिवार से बाहर के जितने लोगों ने भी पार्टी की अगुवाई की, वे सभी अंतरिम अध्यक्ष की तरह ही देखे गए। यही वजह है कि कांग्रेस के भीतर ज्यादातर लोग बस इंतजार कर रहे हैं कि राहुल कब दोबारा अध्यक्ष बनने के लिए हामी भरते हैं। कुछ कांग्रेसी इस परंपरा से नाराज और निराश हैं, तो कुछ ने बेहतर मौकों की तलाश में दूसरी पार्टियों का दामन थाम लिया।

नतीजा यह हुआ कि पार्टी का जनाधार तेजी से खिसकने लगा। हर चुनाव के साथ उसकी सीटें कम हो रही हैं। वोट शेयर घट रहा है। बीजेपी विरोधी वोट भी कांग्रेस को मिलने

के बजाय क्षेत्रीय दलों को मिल रहे हैं। ऐसा नहीं है कि कांग्रेस एकाएक कमजोर हुई है। वह 90 के दशक की शुरुआत से ही बिखरने लगी थी। लेकिन अब शायद आगामी विधानसभा चुनाव के रूप में उसके पास कुछ कर दिखाने का आखिरी मौका है। उसे गुजरात, हिमाचल प्रदेश, कर्नाटक, मध्य प्रदेश और राजस्थान के चुनाव में बीजेपी को कांटे की टक्कर देनी होगी। अगर इन चुनावों में भी पार्टी बुरी तरह हारती है, तो यह उसके ताबूत में आखिरी कील होगी। उसके बचे-खुचे सूरमा भी उसे छोड़ जाएंगे। कांग्रेस के उलट बीजेपी की बात करें, तो उसने एक नेता वाले मॉडल को कारगर तरीके से आत्मसात किया है। अटल बिहारी वाजपेयी के समय में सत्ता का वैकल्पिक केंद्र भी था। लेकिन मोदी के सामने इस तरह की भी कोई चुनौती नहीं। मोदी फिलहाल चट्टान की शक्ल अख्तियार कर चुके हैं, जिन्हें हवा के छोटे-मोटे थपेड़ों से तो कोई फर्क ही नहीं पड़ने वाला।

ऐसे में सवाल उठता है कि बीजेपी को किससे चुनौती मिल सकती है? कांग्रेस के लगातार पतन के बाद कुछ मजबूत क्षेत्रीय दल ही हैं, जो बीजेपी को सीधी टक्कर दे पा रहे हैं। लेकिन उनका प्रभाव बस एकाध राज्य तक ही सीमित है। क्षेत्रीय पार्टियां बीजेपी के खिलाफ एकजुट होंगी, इसकी भी कोई गुंजाइश नहीं दिखती। इस तरह की एकता भी तभी बन सकती है, जब कांग्रेस मजबूत हो। लेकिन फिलहाल उसकी भी स्थिति किसी क्षेत्रीय दल जैसी ही है।

वैसे भी क्षेत्रीय दल हमेशा अपने राज्य से जुड़े हितों को तरजीह देते हैं। बीजू जनता दल और वाईएसआर कांग्रेस इसकी सबसे अच्छी मिसाल हैं। ये दोनों पार्टियां केंद्र के खिलाफ खुलकर बिगुल नहीं बजातीं। वे पहले मुद्दों को देखती हैं और उसके आधार पर समर्थन या फिर विरोध में जाने का फैसला करती हैं। अब बीजेपी उत्तर-पश्चिम के एक दर्जन राज्यों तक सीमित पार्टी नहीं रही। अब सभी राज्यों में उसका जनाधार बढ़ रहा है। जिन राज्यों में वह सत्ता में नहीं है, वहां भी विकल्प के रूप में उभर रही है। यह चीज पश्चिम बंगाल, ओडिशा और तेलंगाना जैसे राज्यों में देखी जा सकती है। बीजेपी के विस्तार को क्षेत्रीय दल अपने लिए ख़तरा तो मानते हैं, लेकिन फिर उन्हें एक मंच पर आने से गुरेज है। वे अपने हिसाब से बीजेपी का मुकाबला करना चाहते हैं।

कांग्रेस की तरह क्षेत्रीय दलों के भीतर भी नेतृत्व एक अहम मसला है। ज्यादातर क्षेत्रीय दलों की कमान अब दूसरी पीढ़ी के परिवारवादी नेताओं के हाथ में हैं। अगर बंगाल की सीएम ममता बनर्जी को छोड़ दिया जाए, तो अधिकतर क्षेत्रीय दलों के प्रमुख पीएम मोदी को सीधे चुनौती देने से बचते हैं। वे विधानसभा चुनाव को राष्ट्रीय प्रतिष्ठा की लड़ाई नहीं बनने देना चाहते, क्योंकि इसमें उनका नुकसान होने का खतरा ज्यादा रहता है। नतीजा यह होता है कि राष्ट्रीय स्तर पर मोदी के खिलाफ कोई मजबूत स्वर नहीं उठता।

क्षेत्रीय दलों की सीमा- अगर आसान शब्दों में कहें, तो बीजेपी को राष्ट्रीय स्तर पर चुनौती देना क्षेत्रीय दलों के बस की बात नहीं। यह काम सिर्फ कांग्रेस जैसी राष्ट्रीय पार्टी ही कर सकती है। इसलिए उसके कमजोर होने का सीधा मतलब है मोदी की अगुवाई में बीजेपी का एकदलीय शासन स्थापित करने की राह पर आगे बढ़ना। लेकिन यह इस पर निर्भर करेगा कि बीजेपी सत्ता कैसे संभालती है। बेरोजगारी और महंगाई जैसे मुद्दों से कैसे निपटती है।

अब अपनी हॉबी को ही बना सकते हैं करियर ऑप्शन

आज के समय में जॉब करना आसान नहीं रह गया है। यह काम तब और मुश्किल हो जाता है, जब किसी का प्रोफेशन और हॉबी अलग-अलग हो। जिसके कारण आजकल कई लोग जॉब तो कर रहे हैं , लेकिन वे उन जॉब्स से खुश नहीं हैं। पैसा कमाने के लिए जॉब करना और अपने पैशन को फॉलो करके उसमें आगे जाना दोनों बहुत अलग बात हैं। फिर चाहे उसमे पैसे थोड़े कम क्यों न हो।

फोटोग्राफी, राइटिंग, म्यूजिक, डांस, सिंगिंग, कुकिंग, पेंटिंग समेत कई ऐसी हॉबी होती हैं, जिन्हे आप फुल टाइम करियर में बदल सकते हैं। सोचिये जो काम आपको सबसे ज्यादा पसंद है और आपकी हॉबी है, उसे आप अलग से समय निकाल कर करते हैं, अगर इसी हॉबी को अपना प्रोफेशन बना लें तो कितना अच्छा रहेगा। अगर आप भी अपनी हॉबी को करियर का रूप देना चाहते हैं, तो यहां पर दिए गए 7 टिप्स को फॉलो कर सकते हैं।

सबसे पहले रिसर्च करें

अपनी हॉबी को प्रोफेशन में बदलने के लिए सबसे पहले जो काम आपको करना है वो है रिसर्च। किसी भी हॉबी के बारे में आपको पूरी जानकारी होनी चाहिए। आपको पता लगाना है कि क्या आपकी हॉबी फुल टाइम करियर बना सकती है या नहीं। उसमें जॉब और करियर के क्या अवसर हैं और उस क्षेत्र में कितने लोग काम कर रहे हैं और कितने अनुभव की जरूरत पड़ती है।

सही फीडबैक लें

कोई भी व्यक्ति अपने काम को जज नहीं कर सकता और न ही आपका परिवार या दोस्त आपकी इसमें मदद कर सकते हैं। किसी भी काम को शुरू करने से पहले गाइडेंस के लिए जरूरत होती है एक अनुभवी प्रोफेशनल की जो आपका मेंटर बने। हमेशा याद रखें कि काम शुरू करने से पहले अपनी हॉबी के बारे में अपने मेंटर से ईमानदार फीडबैक लेना बिल्कुल ना भूलें।

शुरू से शुरुआत करें

यह बात पहले ही अपने मन में बैठा लें कि जब आप कोई करियर स्विच करेंगे तो हो सकता है कि आपको नीचे से ही शुरू करना पड़े। आप अपनी जॉब में फिलहाल ऊंची पोस्ट पर हों, लेकिन आपको नये करियर में नीचे से ही शुरू करना होगा। इसलिए अपनी तैयारी पहले से ही पूरी कर लें।

पुरानी स्किल्स का इस्तेमाल

आपके पुराने और नये करियर में भले ही कोई समानताएं न हों। लेकिन फिर भी हर जगह से हम कुछ न कुछ स्किल्स तो सीखने को मिलती ही हैं। ऐसी कई स्किल होती हैं, जो हर फील्ड में काम आती हैं। जैसे अगर आप किसी कंपनी के सेल्स डिपार्टमेंट में काम कर रहे हैं और पेंटिंग में अपना करियर बनाना चाहते हैं तो आपकी मार्केटिंग स्किल यहां भी काम आएगी। इसलिए ध्यान रखें कि सभी स्किल का इस्तेमाल अपने नये करियर में करें।

अपनी फील्ड के एक्सपर्ट बनें

अपनी हॉबी में करियर बनाने से पहले आप उस फील्ड से जुड़े लोगों से संपर्क बनाएं। अपनी नॉलेज और स्किल्स को बढ़ाएं, एक अच्छा नेटवर्क बनाएं। यह आपको आगे बढ़ने में मदद करेगी। आपको उस फील्ड में सबसे बेहतर बनाने की कोशिश करें।

अपने काम को मोनेटाइज करें

प्रूफ ऑफ कंसेप्ट एक बिजनेस टर्म है जिसका इस्तेमाल उन उद्यमियों के द्वारा किया जाता है जो फंडिंग की तलाश में होते हैं। आपको भी अपने लिए फंडिंग का इंतजाम करना चाहिए। क्योंकि किसी भी काम के लिए आर्थिक सुविधा बहुत जरूरी है। अगर वह नहीं रहेगा तो आप आगे भी नहीं बढ़ पाएंगे। इसलिए अपने काम से पैसे कमाने की कोशिश करें। आप चाहे तो आपकी स्किल को ऑनलाइन सिखा सकते हैं, एक्सपर्ट लेक्चर ले सकते हैं। या फिर खुद की वर्कशॉप भी लगा सकते हैं।

इस तरह बदले अपने पैशन को प्रोफेशन में

जब आपके मन में अपने पैशन को प्रोफेशन बनाने का विचार आए तो सबसे पहले अपने सभी हॉबी की लिस्ट बनाएं। मान लीजिये आपकी तीन हॉबी हैं। आपको लिखने का शौक हैं, फोटोग्राफी और पेंटिंग का भी शौक है। अब एक- एक हॉबी पर विचार कीजिए और उसके साथ कुछ दिन जी कर देखें। इससे आपको अपने आप ही मालूम हो जायेगा कि किस काम को लेकर आप ज्यादा बेहतर हैं और वह कार्य करते हुए आपको ज्यादा खुशी मिलती है।

स्क्रिप्ट राइटिंग में करियर

यदि आप लेखन में दक्षता रखते हैं और आपको किताबें पढ़ने में भी गहरी रुचि है तो स्क्रिप्ट राइटर के तौर पर आप अपने शौक को करियर का रूप भी दे सकते हैं। जो युवा लिखने-पढ़ने के साथ मानवीय संवेदनाओं को पकड़ कर अभिव्यक्त करने की क्षमता रखते हैं उनके लिए भी इस क्षेत्र में अपार संभावनाएं हैं।

कार्यक्षेत्र

विज्ञापनों के लिए स्क्रिप्ट राइटर्स की सेवाएं विशेष तौर पर ली जाती हैं। अक्सर विज्ञापनों में ऐसे शब्दों या पंक्तियों का इस्तेमाल किया जाता है जो लोगों की जुबान पर चढ़ जाती हैं। ये सब स्क्रिप्ट राइटर के दिमाग की ही उपज होते हैं। ऐसी रोचक बातों को जिंगल्स कहा जाता है।
बेशक स्क्रिप्ट राइटर का काम सिर्फ जिंगल लिखना ही नहीं होता बल्कि और कई चीजें हैं जो स्क्रिप्ट राइटर करते हैं लेकिन अधिकतर की शुरूआत जिंगल्स से ही होती है।
जाहिर है कि स्क्रिप्ट राइटिंग कहानियां और कविताएं लिखने से कुछ अलग होता है क्योंकि स्क्रिप्ट में लिखी गई हर बात का फिल्मांकन किया जाता है इसीलिए लेखक को यह सोचकर लिखना पड़ता है कि उसके द्वारा लिखी गई स्क्रिप्ट पढ़ी नहीं देखी जाएगी।

कौशल

इसमें क्षेत्र में करियर बनाने के लिए छात्रों में रचनात्मकता का होना आवश्यक है। कम शब्दों में आपको उत्पादों की विशेषताओं को उपभोक्ताओं तक पहुंचाना होता है। विज्ञापनों के लिए ऐसी जिंगल्स की रचना करनी पड़ती है कि सुनते या पढ़ते ही वह ग्राहक के जेहन में आ जाए। वैसे कोई डिग्री कोर्स तो नहीं होता पर ये जर्नलिज्म के अंतर्गत आता है।
कल तक विज्ञापन ग्राहकों की संतुष्टि के लिए बनाए जाते थे लेकिन आज जो विज्ञापन आ रहे हैं वे ग्राहकों के संतोष के साथ उसकी खुशी और मनोरंजन को भी महत्व दे रहे हैं। मानवीय भावनात्मक पक्षों को छूते विज्ञापन न सिर्फ देर तक याद रहते हैं बल्कि मन पर भी गहरा असर छोड़ते हैं।
जिस भी भाषा में आप स्क्रिप्ट राइटिंग करना चाहते हैं उसका गहन ज्ञान आपको होना चाहिए। आपको अधिक से अधिक पुस्तकों को भी पढना चाहिए ताकि आपको विभिन्न लेखकों की शैली की जानकारी भी प्राप्त हो सके। साथ ही फिल्मों तथा धारावाहिकों की स्क्रिप्ट पर गौर करने की आदत भी डाल लें। इसके बाद आप स्क्रिप्ट लेखन में हाथ आजमाएं।

योग्यता

स्क्रिप्ट राइटिंग में सबसे अहम जरूरत रचनात्मकता की होती है जो पूर्णत- व्यक्ति की विश्लेषण और कल्पना क्षमता पर आधारित होती है लेकिन फिर भी इसके लिए पत्रकारिता का कोर्स कर लिया जाए तो बेहतर होता है। किसी भी विषय में 12वीं कक्षा पास करने के बाद पत्रकारिता में ग्रैजुएशन कर सकते हैं। जो छात्र ग्रैजुएशन कर चुके हैं वे किसी प्रतिष्ठित संस्थान से पत्रकारिता में एम.ए. भी कर सकते हैं।

प्रमुख संस्थान

- इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, नई दिल्ली
- एमिटी स्कूल ऑफ जर्नलिज्म एंड मास कम्युनिकेशन, नई दिल्ली
- इंडियन इंस्टी. आफ मास कम्युनिकेशन नई दिल्ली
- जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली
- अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़, उत्तर प्रदेश
- देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इंदौर, मध्य प्रदेश
- माखन लाल चतुर्वेदी पत्रकारिता विश्वविद्यालय, भोपाल, मध्य प्रदेश।

भारत में लगातार बढ़ती जा रही प्रतिस्पर्धा की वजह से अपनी इमेज मैनेज करना भी एक अहम जरूरत बन चुकी है। अधिक से अधिक लोग अब इस जरूरत को महसूस कर रहे हैं जिस वजह से देश में इमेज कंसल्टैंट की सेवाओं की मांग में काफी इजाफा देखने को मिल रहा है।

लाभदायक करियर इमेज कंसल्टिंग

इमेज कंसल्टिंग के तहत लोगों को अपने भीतर छुपी क्षमताओं को निखारने और साथ ही साथ उन क्षमताओं को सभी के समक्ष प्रदर्शित करने के लिए अपनी अपीयरैंस (दिखावट) के प्रबंधन हेतु मार्गदर्शन किया जाता है। इमेज कंसल्टिंग के तहत लोगों को परिधान पहनने व तैयार होने के ढंग, बॉडी लैंग्वेज, शिष्टाचार एवं सॉफ्ट स्किल्स के बारे में शिक्षित किया जाता है। इमेज कंसल्टैंट व्यक्तिगत रूप से तथा समूह में कोचिंग प्रदान करते हैं। वे किसी एक व्यक्ति अथवा कम्पनियों को अपनी सेवाएं देते हैं। वे लोगों के लिए मुक्त कार्यशाला भी आयोजित करते हैं। इस क्षेत्र से जुड़े कार्यों में पर्सनल शॉपिंग, यूनिफॉर्म डिजाइन, इमेज मैनेजमैंट, पॉलिसी डिजाइन, स्टाइलिंग आदि भी शामिल हैं। भारत में लगातार बढ़ती जा रही प्रतिस्पर्धा की वजह से अपनी इमेज मैनेज करना भी एक अहम जरूरत बन चुकी है। अधिक से अधिक लोग अब इस जरूरत को महसूस कर रहे हैं जिस वजह से देश में इमेज कंसल्टैंट की सेवाओं की मांग में काफी इजाफा देखने को मिल रहा है।
यह ऐसा करियर है, जिसमें व्यक्ति अन्य लोगों के विकास का मुख्य सहयोगी बनता है तथा अन्य लोगों को और अधिक सफल बनाने से उसे सफलता मिलती है। यह क्षेत्र उन महिलाओं को करियर बनाने का दूसरा मौका देता है जिन्होंने कुछ समय के लिए अपने पहले करियर को छोड़ रखा हो। इमेज कंसल्टिंग बिजनैस इंस्टी. भारत में इमेज कंसल्टैंसी की शिक्षा तथा प्रशिक्षण देने वाला अग्रणी संस्थान होने के साथ-साथ वैश्विक स्तर पर भी एक प्रतिष्ठित संस्थान है। यह संस्थान इमेज कंसल्टिंग एवं बिजनैस प्रोग्राम संबंधी अनोखे पेशेवर कोर्स करवाता है। इस संस्थान की डायरैक्टर सुमन अग्रवाल भारतीय उपमहाद्वीप की वरिष्ठतम इमेज कंसल्टैंट मानी जाती हैं। उनकी कहानी भी एक उत्तम प्रेरणा स्रोत है। उन्हें कॉलेज की पढ़ाई बीच में ही छोड़ देनी पड़ी थी परंतु आज वह एक सफल उद्यमी तथा इस संस्थान की डायरैक्टर हैं, जिसकी स्थापना उन्होंने 2009 में की। यूनाइटेड किंगडम स्थित फैडरेशन ऑफ इमेज प्रोफैशनल इंटरनैशनल द्वारा उन्हें इमेज मास्टर अवार्ड से नवाजा गया जिससे वह भारतीय उपमहाद्वीप में सर्वाधिक वरिष्ठ इमेज कंसल्टैंट बन गईं। इमेज कंसल्टिंग में पहनावे के महत्व पर वह कहती हैं, ''80 प्रतिशत से अधिक संवाद दृश्य होता है और पहनावा इसका सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा है। जब भी आप किसी से मिलते हैं तो व्यक्ति का सबसे अधिक ध्यान सामने वाले के पहनावे पर ही जाता है। हालांकि यह बताना जरूरी है कि पहनावे के संबंध में कौशल एक इमेज कंसल्टैंट के पास होता है, वह सर्वश्रेष्ठ फैशन डिजाइनर समेत किसी अन्य पेशेवर के पास नहीं हो सकता है। महत्व बढ़िया परिधानों का नहीं होता, बल्कि उस संदेश का होता है जो आप अपने पहनावे से सामने वाले को देना चाहते हैं। सही पहनावे को सुनिश्चित बनाने के लिए व्यक्ति को अपने काम, लक्ष्यों एवं मौके का ध्यान रखने के अलावा आकर्षक दिखने के लिए अपने शारीरिक ढांचे, रंग-रूप, चेहरे के आकार आदि पर भी गौर करना पड़ता है।'' उनके अनुसार इस क्षेत्र में रुचि रखने वाले युवाओं के लिए यह एक उत्तम एवं बेहद लाभदायक करियर साबित हो सकता है।

पत्राचार शिक्षा से बदलती युवाओं की तकदीर

आज सभी विषयों में ग्रैजुएशन तथा मास्टर डिग्री कोर्स के अलावा अनेक सर्टीफिकेट कोर्स एवं डिप्लोमा भी पत्राचार माध्यम से दूरस्थ शिक्षा के रूप में उपलब्ध हैं। इन पाठ्यक्रमों का उद्देश्य छात्रों को सभी संबंधित विषयों का बुनियादी ज्ञान प्रदान करना होता है। अधिकतर पत्राचार पाठ्यक्रम विश्वविद्यालयों द्वारा चलाए जाते हैं और इनमें सभी विषय-विधाओं के 10+2 छात्रों को प्रवेश दिया जाता है।

कुछ प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों में प्रवेश एक चयन परीक्षा के माध्यम से दिया जाता है। पत्राचार शिक्षा ने हमारे देश की शिक्षा प्रणाली में एक आश्चर्यजनक परिवर्तन ला दिया है। पत्राचार माध्यम से अध्ययन करने वाले छात्रों को शिक्षा प्रदान करने के लिए विभिन्न आधुनिक तकनीकों का सहारा भी दिया जा रहा है। उपग्रह संचार, लो पावर ट्रांसमीटर्स की सहायता एवं सूचना सुपर-हाइवेज के माध्यम से देश भर में शिक्षा का प्रसार हो रहा है।
देश में अनेक मुक्त विश्वविद्यालय तथा उससे भी अधिक नियमित विश्वविद्यालय तथा कई अन्य संस्थाएं दूरस्थ अध्ययन कार्यक्रम चलाते हैं। दूरस्थ शिक्षा पद्धति कई श्रेणियों के शिक्षार्थियों, विशेष रूप से देरी से पढ़ाई शुरू करने वालों, जिन व्यक्तियों के घर के पास उच्चतम शिक्षा साधन नहीं है, सेवारत व्यक्तियों और अपनी शैक्षिक योग्यताएं बढ़ाने के इच्छुक व्यक्तियों को लाभ प्रदान कर रही है। मुक्त विश्वविद्यालय ऐसे लचीले पाठ्यक्रम विकल्प देते हैं जिन्हें वे छात्र ले सकते हैं जिनके पास कोई औपचारिक योग्यता नहीं है किन्तु अपेक्षित आयु (प्रथम डिग्री पाठ्यक्रमों के लिए 18 वर्ष) के हो चुके हैं और लिखित प्रवेश परीक्षा भी उत्तीर्ण कर चुके हैं। ये पाठ्यक्रम छात्र अपनी सुविधानुसार भी ले सकते हैं। विश्वविद्यालयों के दूरस्थ शिक्षा केंद्र न्यूनतम पात्रता रखने वाले उम्मीदवारों को प्रवेश देते हैं। यह पात्रता नियमित पाठ्यक्रमों के समान ही होती है। पत्राचार शैक्षिक संस्थाएं छात्रों को पाठ्यक्रम सामग्री के साथ-साथ संपर्क कक्षाएं भी उपलब्ध कराती हैं और परीक्षाएं संचालित करती हैं।
अधिकांश विश्वविद्यालय मुद्रित अध्ययन सामग्री के अलावा अपने स्थानीय केंद्रों पर मल्टीमीडिया साधनों से भी छात्रों को शिक्षित करते हैं। ये विश्वविद्यालय ग्रैजुएशन पाठ्यक्रम, मास्टर डिग्री पाठ्यक्रम, एम.फिल पीएच.डी. तथा डिप्लोमा एवं सर्टीफिकेट पाठ्यक्रम भी चलाते हैं जिनमें से अधिकांश पाठ्यक्रम करियर उन्मुखी होते हैं।

सफलता के लिए हमेशा याद रखें...

किसी भी कार्य की सफलता के लिए भावना अच्छी होनी चाहिए। कार्य को प्रारम्भ करने के पीछे हमारा भाव क्या है। हम क्या करना चाहते हैं इसका महत्व है। सफलता के लिए भगवान का सुमिरन कर कार्य करें। भगवान का ध्यान कर किए जाने वाले कार्य में सफलता अवश्य मिलती है। केवल परिश्रम से कुछ नहीं होता। कुछ लोग भगवान की असीम कृपा से कम परिश्रम में भी सफलता की ऊंचाइयों को छू लेते हैं। संतों ने सफलता के 3 मंत्र बताए। पहला भगवान का स्मरण, दूसरा धैर्य तथा तीसरा परमार्थ की भावना जुड़ी होनी चाहिए।
प्रत्येक मंदिर बाहर से स्वच्छ होना चाहिए और भीतर से पवित्र होना चाहिए। प्रत्येक व्यक्ति भी बाहर से स्वच्छ और भीतर से पवित्र होना चाहिए। फिर कोई लम्बी साधना करने की जरूरत नहीं। मां त्रिस्तरीय काम करती है। सृष्टि को उत्पन्न करती है, उसका परिपालन और उसका संघार करती है। अम्बा के 3 स्तर हैं, स्त्री शरीर अम्बा का ही अंश है। ऐसा मानकर उसका 3 स्तर पर सम्मान करना चाहिए। कन्या का सम्मान, धर्मपत्नी का सम्मान और मां का सम्मान। आनंद की अंतिम सीमा आंसू हैं। हम सबका जीवन फल होना चाहिए प्रेम। सत्य शायद हम चूक जाएं। करुणा छूट जाए लेकिन प्रेम बना रहे। यह जीवन का फल है।

ताजमहल केस में हाईकोर्ट की फटकार : याचिकाकर्ता से कहा-

पीआईएल का दुरुपयोग न करें, पहले यूनिवर्सिटी जाएं, पीएचडी करो, तब कोर्ट आना

नई दिल्ली

ताजमहल के तहखाने में बने 20 कमरों को खोलने की याचिका पर हाईकोर्ट में गुरुवार को 12 बजे सुनवाई हुई। ताजमहल विवाद को लेकर हाईकोर्ट ने सख्त रुख अपनाया है। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने याचिकाकर्ता को जमकर फटकार लगाई है। जस्टिस डीके उपाध्याय ने कहा कि याचिकाकर्ता पीआईएल व्यवस्था का दुरुपयोग न करें। पहले यूनिवर्सिटी जाएं, पीएचडी करें, तब कोर्ट आएं। कोर्ट ने कहा कि अगर कोई रिसर्च करने से रोके, तब हमारे पास आना। उन्होंने कहा कि कल को आप आएंगे और कहेंगे कि आपको जजों के चेंबर में जाना है, तो क्या हम आपको चैंबर दिखाएंगे? इतिहास आपके मुताबिक नहीं पढ़ाया जाएगा। फिलहाल कोर्ट ने सुनवाई लंच के बाद दोपहर 2 बजे पर दोबारा करने का फैसला किया है। बता दें कि भाजपा के अयोध्या मीडिया प्रभारी डॉ. रजनीश सिंह ने 7 मई को कोर्ट में याचिका दायर कर ताजमहल के 22 कमरों में से 20 कमरों को खोलने की मांग की है। उन्होंने इन कमरों में हिंदू-देवी-देवताओं की मूर्ति होने की आशंका जताई है। उनका कहना है कि इन बंद कमरों को खोलकर इसका रहस्य दुनिया के सामने लाना चाहिए। याचिकाकर्ता रजनीश सिंह ने इस मामले में राज्य सरकार से एक समिति गठित करने की मांग की है। इसके बाद से ही देश में ताजमहल के कमरों के रहस्यों को लेकर एक नई बहस छिड़ी हुई है। वहीं, इतिहासकारों का कहना है कि ताजमहल विश्व विरासत है। इसे धार्मिक रंग नहीं देना चाहिए।

कोर्ट की निगरानी में खोलकर वीडियोग्राफी की जाए

धार्मिक रंग देने की साजिश

अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी के इतिहास विभाग के प्रोफेसर नदीम रिजवी ने ताजमहल को धार्मिक रंग दिए जाने पर नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि 300 साल तक ताजमहल के तहखाने और बाकी हिस्से खुले रहे। कई पीढ़ियों ने इसे देख लिया। कोई चिह्न यहां नहीं हैं। ताज के जो हिस्से बंद किए गए, वे धार्मिक कारणों से नहीं किए गए, बल्कि ताज में भीड़ और सुरक्षा कारणों से किए गए।

वीडियोग्राफी कराई जाए:- डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय के प्रोफेसर सुगम आनंद ने कहा कि ताजमहल के तहखानों के सर्वे में कोई परेशानी नहीं होनी चाहिए। एक बार वीडियोग्राफी करा ली जाए तो विवाद समाप्त हो जाएंगे। पर्यटकों के लिए तहखाने खोलना आर्कियोलॉजी के मुताबिक मुमकिन नहीं है।

देश में 24 घंटे में कोरोना के 2897 नए मामले

दिल्ली में सबसे ज्यादा केस; नॉर्थ कोरिया में लॉकडाउन का ऐलान

नई दिल्ली

देश में थोड़ी सी राहत के बाद बुधवार को डेली कोरोना मामलों में 26 फीसदी और कोरोना से होने वाली मौत में 44 फीसदी वृद्धि दर्ज की गई है। बुधवार को कोरोना के 2897 नए केस, जबकि 54 मौतें दर्ज की गई हैं। सोमवार को 2288 केस आए थे और 10 मौत हुई थी। रविवार को 2893 नए केस मिले थे, जबकि शनिवार को 3765 नए मामले मिले थे। स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, डेली पॉजिटिविटी रेट 0.61 फीसदी और वीकली पॉजिटिविटी रेट 0.74 फीसदी हो गया है। पिछले 24 घंटे में 2908 लोग कोरोना से रिकवर हुए है, जिसके बाद ठीक होने वालों की संख्या 4 करोड़ 55 लाख के पास पहुंच गई है, जबकि मरने वालों की संख्या 5 लाख 24 हजार के पास पहुंच गई है।

केरल में कोरोना से सबसे ज्यादा मौतें

कोरोना से मरने वालों की कुल संख्या 54 है, जिसमें से 48 सिर्फ केरल में दर्ज की गई है, जबकि दिल्ली, हिमाचल प्रदेश, राजस्थान और उत्तर प्रदेश में एक-एक मौत दर्ज की गई है। इसके बाद कोरोना से कुल मौत के आंकड़े महाराष्ट्र में 1,47,849, केरल में 69,325, दिल्ली में 26,183, उत्तर प्रदेश में 23,511 हो गए हैं। स्वास्थ्य विभाग के आंकड़ों के अनुसार, दिल्ली में बुधवार को 970 नए केस और एक मौत दर्ज दी गई, जबकि पॉजिटिविटी रेट घटकर 3.34 फीसदी रह गया है। दिल्ली में एक दिन में कोरोना के 29,037 टेस्ट किए गए थे।

मध्यप्रदेश और राजस्थान कोरोना अपडेट

मध्यप्रदेश में बुधवार को कोरोना के 45 नए केस सामने आए हैं, जिसके बाद कुल केस 10 लाख 42 हजार के करीब पहुंच गए हैं। राज्य में कोरोना से एक भी मौत नहीं हुई है, जिसकी वजह से कोरोना से मरने वालों की संख्या 10,735 पर ही बनी हुई है। पॉजिटिविटी रेट प्रति 100 टेस्ट के हिसाब से 0.5 फीसदी है। राज्य में कोरोना के 7,763 टेस्ट किए गए।

पीएम मोदी के छलके आंसू : पिता ने बताया बेटी का डॉक्टर बनने का सपना, भावुक मोदी बोले- अगर मदद की जरूरत हो तो मुझे बताएं

नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए गुजरात के भरूच में उत्कर्ष समारोह में हिस्सा लिया। उन्होंने सरकारी योजनाओं के लाभार्थियों से बात की। इस दौरान एक दृष्टिहीन लाभार्थी से बात करते हुए पीएम भावुक हो गए। दरअसल, पीएम ने सरकारी योजनाओं के लाभार्थियों में से एक अयूब पटेल नाम के व्यक्ति से बात की। अयूब ने बताया कि वह सउदी अरब में थे, वहां उन्होंने आई ड्रॉप डाला, जिसका साइड इफेक्ट हुआ और उनकी आंखों की रोशनी धीरे-धीरे कर जाती रही। इस दौरान उन्होंने अपनी बेटी के डॉक्टर बनने के सपने के बारे में पीएम को बताया।

बेटी बोली- पापा की हालत देखकर लिया डॉक्टर बनने का फैसला

मोदी ने बेटी से पूछा कि वह डॉक्टर क्यों बनना चाहती है। उसने बताया कि पापा की हालत देखकर यह फैसला लिया और वह रोने लगी। इसे देखकर पीएम भी भावुक हो गए। इसके बाद पीएम मोदी ने मदद की पेशकश की। उन्होंने कहा कि अपनी बेटियों के सपने को पूरा करने के लिए अगर आपको किसी मदद की जरूरत हो तो मुझे बताएं।

पीएम ने दी गुजरात सरकार को बधाई

इस समारोह का आयोजन भरूच जिले में राज्य सरकार की चार प्रमुख सरकारी योजनाओं के 100 फीसदी पूरा होने के मौके पर किया गया। पीएम ने कहा कि आज का ये उत्कर्ष समारोह इस बात का प्रमाण है कि जब सरकार ईमानदारी से, एक संकल्प लेकर लाभार्थी तक पहुंचती है, तो कितने सार्थक परिणाम मिलते हैं। मैं भरूच जिला प्रशासन और गुजरात सरकार को सामाजिक सुरक्षा से जुड़ी 4 योजनाओं के शत-प्रतिशत सैचुरेशन के लिए बधाई देता हूं।

युद्ध के लिए हमेशा तैयार रहें मार्कोस कमांडो: एडमिरल हरि कुमार

नई दिल्ली

नौसेना प्रमुख एडमिरल आर हरि कुमार ने देश के दूरदराज के हिस्सों में तैनात नौसेना के मार्कोस कमांडो का मनोबल बढ़ाने तथा उनमें आत्मविश्वास जगाने के लिए उनके साथ समुद्री सुरक्षा के विभिन्न पहलुओं पर बातचीत की है। नौसेना के प्रवक्ता ने गुरुवार को कहा कि एडमिरल आर हरि कुमार ने देश के दूरदराज के क्षेत्रों में देश के समुद्री हितों की सुरक्षा के लिए तैनात नौसेना के कमांडो मार्कोस के साथ संवाद की पहल करते हुए उनके साथ विभिन्न मुद्दों पर विस्तार से बातचीत की है। नौसेना प्रमुख ने बातचीत के दौरान देश के सभी महत्वपूर्ण स्थानों पर मार्कोस कमांडो की मौजूदगी तथा मुस्तैदी की सराहना की। उन्होंने कमांडो से हर समय युद्ध के लिए पूरी तरह से तैयार रहने की जरूरत पर बल दिया। एडमिरल हरि कुमार की इस पहल को मार्कोस कमांडो में आत्मविश्वास पैदा करने और उनका मनोबल बढ़ाने के रूप में देखा जा रहा है।

न्यूज ब्रीफ

राजीव कुमार नये मुख्य चुनाव आयुक्त होंगे

नई दिल्ली। वरिष्ठतम निर्वाचन आयुक्त राजीव कुमार को भारतीय निर्वाचन आयोग का नया मुख्य निर्वाचन आयुक्त नियुक्त किया गया है। केंद्रीय विधि एवं न्याय मंत्रालय ने गुरुवार को यहां जारी एक विज्ञप्ति में यह जानकारी दी। मंत्रालय ने बताया कि श्री कुमार की नियुक्ति 15 मई से प्रभावी होगी। वह निवर्तमान मुख्य निर्वाचन आयुक्त सुशील चंद्र का स्थान लेंगे। श्री चंद्र का कार्यकाल 14 मई को समाप्त हो रहा है।

महिलाओं से छेड़खानी का विरोध करने पर विहिप नेता पर जानलेवा हमला, इंटरनेट बंद

हनुमानगंज। राजस्थान में सांप्रदायिक तनाव थमने का नाम नहीं ले रहा है। भीलवाड़ा के बाद अब हनुमानगढ़ जिले के नोहर कस्बे में बुधवार देर रात दो समुदायों के बीच विवाद हो गया। जिसमें एक समुदाय के लोगों ने विश्व हिंदू परिषद (विहिप) के नेता पर जानलेवा हमला कर दिया। इसके बाद पुलिस ने भादरा, नोहर और रावतसर में आगामी आदेश तक इंटरनेट बंद कर दिया और दोनों समुदाय के लोगों को हिरासत में लिया है। लगातार तीसरे दिन राजस्थान में सांप्रदायिक हिंसा फैली है। पहले भरतपुर, फिर भीलवाड़ा और अब हनुमानगढ़ जिले में हिंसा हुई। विहिप नेता सतवीर सहारण के घायल होने का समाचार सुनते ही रात को ही हिंदू संगठनों ने सड़क पर जाम लगा दिया और समुदाय विशेष के व्यक्तियों को गिरफ्तार करने की मांग करने लगे। देर रात पुलिस ने लाठीचार्ज कर जाम खुलवा दिया। हनुमानगढ़ स्क अजय सिंह के मुताबिक सांप्रदायिक सौहार्द्र बिगाड़ने के आरोप में 35 लोगों को हिरासत में लिया गया है। मामले की जांच जारी है। नोहर के अरड़की स्टैंड पर बाबा रामदेव का छोटा मंदिर बना हुआ है। जहां लोग पूजा करने जाते हैं।

भाई से मिले शाहबाज: नवाज शरीफ बोले- पाकिस्तान के हालात सुधारना पहला एजेंडा, चुनाव उसके बाद

इस्लामाबाद

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ ने बुधवार को अपने भाई और पूर्व क्रूनवाज शरीफ से लंदन में उनके घर पर मुलाकात की। इस मुलाकात दोनों के बीच पाकिस्तान के राजनीतिक और आर्थिक हालात को लेकर लंबी बातचीत हुई। दोनों की मुलाकात करीब 6 घंटे तक चली। शाहबाज के अलावा रक्षामंत्री ख्वाजा आसिफ, सूचना मंत्री मरियम औरंगजेब, योजना मंत्री अहसान इकबाल, बिजली मंत्री खुर्रम दस्तगीर, वित्त मंत्री मिफ्ता इस्माइल और रेल मंत्री ख्वाजा साद रफीक समेत कई और नेता शामिल हुए थे।

पार्टी लीडर्स जल्द पेश करेंगे पूरी रिपोर्ट:- पाकिस्तान सरकार में सूचना प्रसारण मंत्री मरियम औरंगजेब ने बयान दिया- पार्टी के बड़े लीडर और प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ जल्द ही पाकिस्तान के पॉलिटिकल और इकोनॉमिक हालात के एजेंडे को लेकर पूरी रिपोर्ट पेश करेंगे। इसके अलावा नवाज शरीफ की बेटी और पाकिस्तानी मुस्लिम लीग-एन पार्टी की वाइस प्रेसिडेंट मरियम नवाज ने भी गले मिलते हुए दोनों की तस्वीर शेयर की है।

पाकिस्तान के हालात सुधारना पहला एजेंडा:- पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान और उनकी पार्टी के सत्ता खोने के बाद से ही चुनाव कराने की मांग कर रही है। हालांकि, इस मीटिंग के बाद नवाज शरीफ ने मौजूदा प्रधानमंत्री सलाह दी है कि वो पाकिस्तान के राजनीतिक और आर्थिक हालात को तरजीह दें। नवाज शरीफ के मुताबिक तारीक-ए-इंसाफ पार्टी की सरकार ने पाकिस्तान को बड़े इकोनॉमिक क्राइसिस में डाल दिया है। फिलहाल हमें पाकिस्तान के हालात को बेहतर बनाना होगा।

इमरान ने कसा तंज

इस मुलाकात से पहले मंगलवार को इस मुलाकात पर तंज कसते हुए कहा- प्रधानमंत्री और पूरी कैबिनेट जनता के टैक्स से एक 'भ्रष्ट और दोषी' इंसान से मिलने गई है। रिपोर्ट के मुताबिक शहबाज अगले तीन दिन लंदन में रुक सकते है।

434 करोड़ की हेरोइन जब्त

दिल्ली एयरपोर्ट पर 62 किलो हेरोइन पकड़ी गई, 126 ट्रॉली बैग में छिपाकर युगांडा से दिल्ली लाई गई थी

नई दिल्ली

इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर 62 किलोग्राम हेरोइन जब्त की गई है। अधिकारियों ने बताया कि एयरपोर्ट के कार्गो कॉम्प्लेक्स में 434 करोड़ रुपए की हेरोइन बरामद हुई है। यह हेरोइन 126 ट्रॉली बैग्स में छिपाकर भारत लाई गई थी। खास बात यह है कि हवाई मोड के माध्यम से यह अब तक की सबसे बड़ी हेरोइन की बरामदगी में से एक है। ष्ठत्रह्ल को इस ड्रग्स की इस खेप को लेकर एक इनपुट मिला था। इसके बाद टीम ने 10 मई को ऑपरेशन शुरू किया, इस ऑपरेशन का नाम %ब्लैक एंड व्हाइट% रखा गया था।

50 लाख का कैश भी बरामद हुआ:- जानकारी के मुताबिक जब टीम मौके पर पहुंची तो एक कार्गो में रखे ट्रॉली बैग से 55 किलो हेरोइन बरामद हुई। ये ड्रग्स युगांडा से दुबई के रास्ते दिल्ली तक लाई गई थी। ष्ठत्रह्ल टीम ने हेरोइन जब्त करने के बाद मौके से एक आरोपी को भी हिरासत में लिया है। आरोपी ने पूछताछ के बाद टीम ने पंजाब और हरियाणा में कई जगह छापेमारी की, इसमें 7 किलो हेरोइन और 50 लाख रुपए कैश भी मिला है। इस पूरे ऑपरेशन में डीआरआई ने अब तक 62 किलो ड्रग्स को जब्त किया। इसकी कीमत अवैध बाजार में करीब 434 करोड़ होने का अनुमान है। टीम ने बताया कि कार्गो में 330 ट्रॉली बैग रखे गए थे। जब्त की गई हेरोइन 126 ट्रॉली बैग्स की खोखली धातु के अंदर छिपाई गई थी।

2021 में जब्त हुई थी 3,300 किलो हेरोइन

जानकारी के मुताबिक डीआरआई ने साल 2021 में देशभर में करीब 3,300 किलो हेरोइन जब्त की थी। वहीं अगर इस साल की बात करें तो टीम ने जनवरी 2022 से दिल्ली में 34 किलो, मुंद्रा पोर्ट से 201 किलो और पीपावाव पोर्ट से 392 किलो हेरोइन बरामद की है। साथ ही पिछले 3 महीनों में ड्रग्स तस्करी के कई मामले भी दर्ज किए गए हैं, जिससे हवाई यात्रियों से 60 किलोग्राम से अधिक हेरोइन जब्त की गई है।

PRESS ITDC ITDC NEWS
www.itdcindia.com

मध्य भारत से विश्वसनीय हिन्दी दैनिक समाचारपत्र
आईटीडीसी न्यूज़,

विश्वसनीयता की अपेक्षा पर सच्चा बनाने के लिए हम निरंतर कार्य कर रहे हैं,
प्रति सप्ताह आप सभी का स्तम्भ

मेरे लोग, मेरा विधान

इसके तहत हम आप सभी से अनुरोध कर रहे हैं कि
विश्लेषणात्मक रचनाएं, जनसामान्य हित में
नई जानकारियां, लेख, आलेख, टीका, विवेचना, समाचार, रोचक तथ्य,
नए प्रयास, अभिनव प्रयोग के रूप में हमें प्रेषित करें।

आपकी रचना, नाम, चित्र सहित, अधिकाधिक पाठकों तक पहुंचे,
इसके लिए हम, समाचार पत्र में प्रकाशित रचनाओं को,
देश के सभी प्रचलित सोशल मीडिया स्टैंड जैसे फेसबुक, लिंकेडीन, यूट्यूब, जीटॉक, टिवीटर, इंस्टाग्राम
व्हाट्सएप्प एवं हमारे डिजिटल स्टैंड से प्रचार-प्रसार भी देंगे।
(दीर्घ समय तक https://www.itdcindia.com/saga-news.php पर भी उपलब्ध)
जिससे लाभान्वित जनों की संख्या निरंतर बढ़ती रहे।

आप सभी इच्छुकजन अपनी गैरमानदेय,
अपठित, नवीन, मूल एवं मौलिक रचना, हिन्दी में हमें प्रेषित करें।
(और अंग्रेजी में भेजने पर केवल हमारे डिजिटल स्टैंड पर ही प्रकाशन होगा)
उक्त हेतु, आपका चित्र, नाम, शहर, मोबाइल न, आपकी रचना, मेल करें-ईमेल
itdcnewsmp@gmail.com

मध्य भारत का विश्वसनीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
इंटीग्रेटेड ट्रेड डेव्हेलपमेंट सेंटर न्यूज़

न्यूज ब्रीफ

टुटु बोस फिर मोहन बागान एथलेटिक क्लब के अध्यक्ष बने

कोलकाता। अनुभवी प्रशासक स्वप्न सदन 'टुटु' बोस को बुधवार को मोहन बागान एथलेटिक क्लब की कार्यकारी समिति की बैठक में दोबारा अध्यक्ष चुना गया। पहली बार 1989-90 में अध्यक्ष चुने गए बोस 28 साल तक इस पद पर रहे जिसके बाद उन्होंने 'स्वास्थ्य कारणों' से जून 2017 में पद छोड़ दिया। क्लब के अगले अध्यक्ष को लेकर अटकलों का बाजार गर्म था। भारत के पूर्व डिफेंडर और मोहन बागान के दिग्गज खिलाड़ी सुब्रत भट्टाचार्य को अध्यक्ष पद का दावेदार बताया जा रहा था। अटकलों पर हालांकि अब विराम लग गया है क्योंकि 5 साल के बाद बोस दोबारा अध्यक्ष चुने गए हैं। बोस ने महासचिव देबाशीष दत्ता द्वारा जारी बयान में कहा- मेरी उम्र हो गई है और मैं कई बीमारियों से जूझ रहा हूं लेकिन क्लब के सदस्यों और समर्थकों के प्यार और लगाव के कारण मैं प्रतिबद्धता के साथ क्लब की सेवा जारी रखूंगा। मैं सभी को प्यार और शुभकामना देता हूं।

तेपे सिगेमन इंटरनेशनल शतरंज में अर्जुन रहे उपविजेता

मालमो ,स्वीडन। तेपे सिगमन इंटरनेशनल शतरंज मे भारत के युवा ग्रांड मास्टर 18 वर्षीय अर्जुन एरिगासी को प्रतियोगिता में छठी वरीयता दी गयी थी और सात राउंड के बाद 4 अंक बनाते हुए अर्जुन बेहतर टाईब्रेक के आधार पर उपविजेता के तौर पर टूर्नामेंट को समाप्त करने मे सफल रहे जबकि यूएसए के ग्रांड मास्टर नीमन हंस मोके पहले स्थान पर रहे । अर्जुन नें अंतिम दो राउंड मे चेक गणराज्य के डेविड नवारा और इंग्लैंड के दिग्गज खिलाड़ी माइकल एडम्स से बाजी ड्रॉ खेली और अपनी फीडे रेटिंग में कुल 5 अंक जोड़ते हुए लाइव रेटिंग को 2680 अंको पर पहुंचा दिया है । सबसे ज्यादा प्रभावित किया नीमन हंस नें जिन्होने प्रतियोगिता में अपराजित रहते हुए 3 जीत और 4 ड्रॉ के साथ कुल 5 अंक बनाए और अर्जुन से कुल 1 अंक आगे रहे । अर्जुन के अलावा स्वीडन के निल्स ग्रंडेलीयूस और माइकल एडम्स भी 4 अंक बनाने में कामयाब रहे पर टाईब्रेक के आधार पर क्रमश: तीसरे और चौंथे स्थान पर रहे ।

मार्श और वॉर्नर ने दिल्ली की उम्मीदों को रखा बरकरार

नई दिल्ली

राजस्थान रॉयल्स के ख़िलाफ़ जीत दर्ज करने के साथ ही दिल्ली कैपिटल्स अब 12 अंकों के साथ अंक तालिका में पांचवे पायदान पर पहुंच चुकी है। राजस्थान रॉयल्स और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु 14 अंकों के साथ क्रमश: तीसरे और चौथे पायदान पर हैं। उन्होंने राजस्थान रॉयल्स को 160 रन के स्कोर पर रोकने में क़ामयाबी हासिल कर ली। मिचेल मार्श ने दो विकेट लेने के बाद 62 गेंदों पर 89 रनों की पारी खेलते हुए चेज़ का नेतृत्व किया। इस वज़ह से डेविड वॉर्नर को पारी में एंकर का रोल अदा करने का मौक़ा मिला। पारी के ब्रेक के दौरान मार्श ने कहा था कि यह पिच बल्लेबाज़ी के लिए काफ़ी कठिन है। अग़र गेंदबाज़ लंबी बाउंड्री का उपयोग करते हुए गेंदबाज़ी करते हैं तो बल्लेबाज़ों को बाउंड्री निकालने में काफ़ी समस्या करनी पड़ सकती है। उन्होंने कहा कि बल्लेबाज़ों को सिंगल और डबल निकालने पर ध्यान देना होगा। हालांकि मार्श ने ख़ुद अपनी पारी में 62 रन बाउंड्री से बानए, जिसमें सात छक्के शामिल थे। एक तरफ़ दिल्ली ने जहां चेज़ के लिए पारंपरिक तरीका अपनाया तो वहीं राजस्थान रॉयल्स ने अपनी बल्लेबाज़ी के दौरान आर अंश्विन को नंबर तीन पर भेजकर एक प्रयोग किया। हालांकि अश्विन ने पहला अर्धशतक ज़रूर लगाया लेकिन उनके सिक्स हिटर्स संजू सैमसन और रियान पराग पारी को फ़िनिश नहीं कर पाए।

बटलर नहीं दिखा पाए कमाल

इस सीज़न 12 में से 11 टॉस हार चुकी राजस्थान रॉयल्स की छोटी बैटिंग लाइन अप का सारा भारा जॉस बटलर के ही कंधों पर है। हालांकि बटलर इस सीज़न के अपने सबसे कम स्कोर पर चेतन साकरिया की गेंद

पर आउट हो गए। साकरिया यह मुक़ाबला ख़लील अहमद के चोटिल होने की वजह से यह मुक़ाबला खेल रहे थे और उन्होंने बटलर को ज़रा भी रूम नहीं दिया। तीसरे ओवर की पांचवीं गेंद पर बटलर को फुल लेंथ की गेंद मिली जिसे वह सीधे मिड ऑन के हाथों में खेल बैठे और सात रन के निजी स्कोर पर पवेलियन लौट चले। पिच पर बल्लेबाज़ी करने में कठिनाई को देखते हुए राजस्थान ने अश्विन को तीन नंबर पर बल्लेबाज़ी के लिए भेजा। संभवत: वह पावरप्ले में कोई जोखिम नहीं लेना चाहते थे वह भी तब जब शिमरॉन हेटमायर यह मैच नहीं खेल रहे थे। अश्विन दो बार बीच में फंस भी गए लेकिन वह बाहर निकल आए। सबसे पहले छठे ओवर में उन्होंने अक्षर पटेल को एक छक्का और एक चौका लगाया, इसके बाद उन्होंने कुलदीप यादव और साकरिया की गेंदों पर प्रहार किया। वह इतनी लंबी बल्लेबाज़ी करने के इरादे से नहीं आए थे, लेकिन आठवें ओवर में मार्श की गेंद पर यशस्वी जायसवाल के आउट होने के बाद उन्होंने हर गेंद पर प्रहार करने का प्रयास छोड़ दिया। ऐसा इसलिए क्योंकि राजस्थान दो मैदान में दो नए बल्लेबाज़ों की मौजूदगी नहीं चाहती थी। अश्विन ने 38 गेंदों में 50 रनों की पारी खेली। जिसके बाद संजू सैमसन और पराग के सामने में 35 गेंदें बची हुई थीं। अनरिख़ नॉर्खिये और साकरिया ने डेथ ओवर्स में दो बेहतरीन ओवर डाले जिसमें उन्होंने सैमसन और पराग को पवेलियन चलता कर दिया। सैमसन नॉर्खिये की हार्ड लेंथ जबकि पराग साकरिया की बैक ऑफ़ द हैंड स्लोअर गेंद का शिकार बन गए। चार नंबर पर बल्लेबाज़ी करने आए देवदत्त पड़िक्कल ने 30 गेंदों में 48 रनों की पारी की बदौलत राजस्थान को गेम में बनाए रखा, लेकिन 19वें ओवर में वह भी नॉर्खिये की गेंद पर आउट हो गए।

टेनिस को मिला नया नडाल

जिन खिलाड़ियों की चुनौती को एक पूरी पीढ़ी नहीं भेद पाई, उन्हें 19 साल के अल्कराज ने ललकारा

लंदन

विश्व टेनिस में स्पेन के कार्लोस अल्कराज एक बड़े खिलाड़ी के रूप में उभर रहे हैं। क्ले कोर्ट मैड्रिड ओपन में लगातार दो दिनों में कार्लोस अल्कराज ने पहले राफेल नडाल को हराया, और उसके बाद नोवाक जोकोविच को हराकर सबको चौंका दिया। टूर्नामेंट के फाइनल में 19 वर्षीय अल्कराज ने गत चैंपियन ज्वेरेव को सीधे सेटों में 6-3, 6-1 से हराकर टूर्नामेंट अपने नाम कर लिया। सेमीफाइनल मुकाबले में अल्कराज से हारने के बाद जोकोविच भी उनसे काफी प्रभावित नजर आए। जोकोविच ने कहा कि जिस तरह अल्कराज ने प्रेशर को संभाला वो काफी सराहनीय है और इतनी कम उम्र में उसकी खेल में मैच्योरिटी मुझे काफी हैरान करती है। नडाल और जोकोविच दोनों को क्ले कोर्ट में हराने वाले अल्कराज पहले खिलाड़ी बने। अल्कराज की इस जीत के बाद अन्य बड़े टेनिस स्टार्स ने भी उनकी काफी तारीफ की थी, और उनके इस शानदार प्रदर्शन के हर कोई यही बात कर रहा था कि क्या टेनिस की दुनिया को नया राफेल नडाल मिल गया है?

क्यों अल्कराज की हो रही है नडाल से तुलना?

अल्कराज की राफेल नडाल जैसे महान खिलाड़ी से तुलना का एक स्वाभाविक कारण तो ये है कि दोनों ही खिलाड़ी स्पेन से हैं। और अल्कराज ने इतनी कम उम्र में जो गजब का खेल दिखाया है और नाम कमाया है, कुछ ऐसा ही खेल और प्रभाव राफेल नडाल का भी था। हालांकि, अल्कराज ने अभी तक कोई ग्रैंडस्लैम नहीं जीता है पर आने वाले समय में उनके कई खिताब जीतने की पूरी संभावनाएं हैं। मैड्रिड ओपन जीतने के मामले में सिर्फ राफेल नडाल ही ऐसे खिलाड़ी हैं जिन्होंने अल्कराज से कम उम्र में मैड्रिड ओपन जीता था। नडाल ने ये कारनामा 18 वर्ष की उम्र में कर दिखाया था। ऐसे बहुत से रिकॉर्ड हैं जो अल्कराज और नडाल को एक जैसा बनाते हैं-=

जोकोविच को 19 साल की उम्र में हराकर अल्कराज दुनिया के नंबर-1 खिलाड़ी को सबसे कम उम्र में हराने वाले दूसरे खिलाड़ी बन गए। अभी ये रिकॉर्ड नडाल के नाम है जिन्होनें 2005 में रोजर फेडरर को फ्रेंच ओपन में 17 साल की उम्र में हराया था।

नडाल ने बाद ATP की टॉप-10 रैंकिंग में पहुंचने वाले अल्कराज सबसे युवा खिलाड़ी हैं।

नडाल को क्ले कोर्ट में हराने वाले अल्कराज पहले खिलाड़ी हैं। इससे पहले किसी भी टीनएजर के खिलाफ नडाल का क्ले कोर्ट में रिकॉर्ड 20-0 का था।

अल्कराज मैड्रिड ओपन के सेमीफाइनल में पहुँचने वाले सबसे युवा खिलाड़ी (19 साल 2 दिन) हैं। इससे पहले डेनिस शापोवालोव 2018 में 19 साल 1 माह की उम्र में मैड्रिड ओपन के सेमीफाइनल में पहुंचे थे। नडाल 19 वर्ष 5 माह की उम्र में मैड्रिड ओपन के सेमीफाइनल में पहुंचे थे।

ज़्वेरेस टू ट्यूरीन की वार्षिक रैंकिंग में अल्कराज नडाल के बेहद करीब दूसरे नंबर पर पहुंच गए हैं। दोनों खिलाड़ियों के बीच सिर्फ 70 पॉइंट्स का फासला है।

ATP रैंकिंग्स की बात की जाए तो अल्कराज छठे नंबर और नडाल चौथे नंबर पर हैं। जिस तरह अल्कराज का खेल चल रहा है उसे देखते हुए वे जल्द ही रैंकिंग में काफी ऊपर उठ सकते हैं।

ट्रेंड में अश्विन का स्टांस:फैंस बोले-

आप क्रिकेट खेल रहे हैं या हॉकी किसी ने बताया गिल्ली-डंडा का गेम

मुंबई

इंडियन प्रीमियर लीग के बीच गुरुवार को रविचंद्रन अश्विन का अजीब स्टांस सोशल मीडिया पर ट्रेंड में रहा। जो उन्होंने राजस्थान रॉयल्स और दिल्ली कैपिटल्स के बीच खेले गए मुकाबले के दौरान मजाकिया लहजे में लिया था। वे जोस बटलर के 7 रन पर आउट होने के बाद नंबर-3 पर बल्लेबाजी करने आए थे। कप्तान संजू सैमसन ने उन्हें टॉप ऑर्डर में खेलने का मौका दिया। इस मौके को अश्विन ने बखूबी भुनाया।

अश्विन का स्टांस मजाक या फिर गेंदबाज को कन्फूज करने की रणनीति:- इस पारी के दौरान उन्होंने शार्दूल ठाकुर के ओवर में वह स्टांस लिया। वे थोड़ा झुककर खड़े हुए और बैट को पिच के समानंतर तिरछा कर लिया। उन्होंने यह स्टांस मजकिया लहजे में लिया था या फिर गेंदबाज को कन्फूज करने की रणनीति थी, यह तो वे ही बता सकते हैं, लेकिन सोशल मीडिया फैंस को उनका यह स्टाइल खूब पसंद आया। मैच समाप्त होते ही फैंस उनके उस स्टांस के फोटो पोस्ट करने लगे और उनमें कमेंट करने लगे। किसी ने इसे गिल्ली-डंडा स्टाइल कहा, तो किया ने पूछा कि आप क्रिकेट खेल रहे हैं या फिर हॉकी। जो भी हो, अश्विन ने अपने बल्ले से सभी का दिल जरूरी जीत लिया।

आईपीएल करियर का पहला अर्धशतक जमाया:- इस मैच में अश्विन ने अपने आईपीएल का पहला अर्धशतक जमाया। यह उनका लीग में पहला अर्धशतक है। उन्होंने 38 गेंद में 50 रनों की पारी खेली। उन्होंने चार चौके और दो छक्कों की मदद से 131.57 की रन रेट से रन बटोरे। हालांकि, इस पारी के बाद भी उनकी टीम जीत नहीं सकी।

तास्मेनिया का अनुबंध ना मिलना शायद टिम पेन के करियर का अंत

सिडनी

ऑस्ट्रेलिया के पूर्व टेस्ट कप्तान टिम पेन को तास्मेनिया के अनुबंधों से भी बाहर रखा गया है और इसे शायद उनके क्रिकेट करियर का अंत माना जा सकता है। पिछले साल शुरू हुई ऐशेज़ सीरीज़ से पहले पेन के लिखे गए कुछ अभद्र टेक्स्ट संदेश सार्वजनिक हुए थे और इसी के चलते उन्होंने टेस्ट कप्तानी छोड़ दी थी और अब 37-वर्षीय पेन अपने राज्य के 2022-23 सीज़न के अनुबंधित खिलाड़ियों में शामिल नहीं किए गए हैं। कप्तानी छोड़ने के तुरंत बाद उन्होंने थोड़ा समय क्रिकेट से बाहर बिताया था और

फिर तास्मेनिया के सहायक कोच की भूमिका में सीज़न के आख़िर में दिखे थे। अगले सीज़न के दल की घोषणा से पहले उनके खेल जीवन के भविष्य पर कोई स्पष्टता नहीं थी। पेन ने इससे पहले भी क्रिकेट में कोचिंग या अन्य प्रशिक्षण से जुड़े रोल में अपनी रुचि ज़ाहिर की है लेकिन गुरुवार की ख़बर से ऐसा लग रहा है कि उनका क्रिकेट करियर अब 35 टेस्ट और 147 प्रथम-श्रेणी मैचों तक ही सीमित रहेगा। जब उन्होंने टेस्ट कप्तानी से इस्तीफ़ा दिया था तो वह गर्दन की सर्जरी के बाद मैदान पर वापसी कर रहे थे। उन्होंने तास्मेनिया के दूसरे एकादश के लिए एक मैच में हिस्सा लिया था और फिर ऐशेज़ से अपना नाम वापस लेकर क्रिकेट से अवकाश लेना मुनासिब समझा।

आईपीएल से बाहर हुए रवींद्र जाडेजा

नई दिल्ली

पसली की चोट के कारण रवींद्र जाडेजा के लिए आईपीएल का यह सीज़न समाप्त हो गया है। जाडेजा जिन्होंने सीज़न के मध्य में चेन्नई सुपर किंग्स की कप्तानी छोड़ दी थी, उन्हें रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के ख़िलाफ़ खेले मुक़ाबले में डीप में कैच पकड़ते समय चोट लग गयी थी। जाडेजा ने उस मुक़ाबले में खेलना जारी रखा था। हालांकि दिल्ली कैपिटल्स के ख़िलाफ़ खेले पिछले मुक़ाबले में उन्हें बेंच पर बैठने पर मजबूर होना पड़ा। चेन्नई के सीईओ कशी विश्वनाथन ने ईएसपीएनक्रिकइंफ़ो से बात करते हुए इस बात की पुष्टि की कि फ्रैंचाइज़ी और जाडेजा दोनों का मानना था कि इस चोट से उबरने की प्रक्रिया आईपीएल के बाहर ही उचित है। उन्होंने कहा, उनकी पसली में चोट लगी है और मेडिकल सलाह के अनुसार इस वक़्त उन्हें आराम की ज़रूरत है। इसी के चलते उन्हें आईपीएल से बाहर रखने का निर्णय लिया गया है। आईपीएल 2012 के सीज़न से चेन्नई के लिए खेल रहे जाडेजा के लिए यह सिर्फ़ दूसरा अवसर था जब उन्हें चेन्नई

के किसी मुक़ाबले से बाहर होना पड़ा था। इससे पहले वह 2019 में मुंबई इंडियंस के ख़िलाफ़ खेले मुक़ाबले से बाहर रहे थे। महेंद्र सिंह धोनी भी उस मैच में चेन्नई का हिस्सा नहीं थे। जाडेजा इस वक़्त अपने करियर के चुनौतीपूर्ण दौर से गुज़र रहे हैं। सीज़न की शुरुआत से ठीक दो दिन पहले जाडेजा को टीम की कमान सौंपी गयी। हालांकि जाडेजा ने कहा था कि उनके सामने में एक बड़े रिक्त स्थान को भरने की चुनौती है लेकिन अभी भी धोनी उनके साथ मौजूद हैं जिस वजह से वह आत्मविश्वास से लैस हैं। बतौर कप्तान जाडेजा के सामने सबसे बड़ी चुनौती यह थी कि उन्होंने 2007 में भारतीय युवा टीम का नेतृत्व करने के अलावा कभी भी किसी सीनियर टीम की कप्तानी नहीं की थी। हालांकि जाडेजा के अपार अनुभव और मैच विनिंग क्षमता ने उन्हें कप्तानी के लिए सबसे बेहतर विकल्प बनाया था। खुद टीम के मालिक एन श्रीनिवासन ने भी जाडेजा में भरोसा जताया था। जाडेजा इस सीज़न में जब आए थे तब हाल ही में वह आईसीसी टेस्ट रैंकिंग में नंबर एक ऑलराउंडर बने थे। आईपीएल के पिछले दो सीज़न में फ़िनिशर का तमगा भी उनके सिर सज गया था। 2020 और 2021 में जाडेजा ने 57 के औसत और 157 के स्ट्राइक रेट से 459 रन बनाए थे। हालांकि कप्तानी के बोझ का असर जाजेजा के खेल में साफ तौर पर झलकने लगा। जाडेजा की कप्तानी में चेन्नई को सिर्फ़ दो मुक़ाबले में जीत मिली।जबकि छह मुक़ाबले में उन्हें हार का स्वाद चखना पड़ा, लेकिन उनके कप्तानी छोड़ने के बाद चेन्नई ने पिछले तीन में से दो मुक़ाबले अपने नाम किए हैं। चेन्नई के लिए प्लेऑफ़ की उम्मीदें अब भी बरकरार हैं। कप्तानी से परे एक बल्लेबाज़ और फ़ील्डर के तौर पर भी जाडेजा का प्रदर्शन काफ़ी निराशाजनक रहा। जाडेजा ने इस सीज़न 10 पारियों में 116 रन बनाए। इस दौरान उनका औसत 19 और स्ट्राइक रेट 118 का रहा। इसमें दो डक भी शामिल हैं।

SUPER HERO

यदि आप

किसी भी व्यक्ति को जानते हैं
जिसने, सामाजिक सरोकार में
असाधारण प्रदर्शन किया हो,
वह व्यक्ति आप स्वयं भी हो सकते हैं,
दोनों स्थिति में हमें पूर्ण विवरण, भेजें।

हम देश के असली नायक
SUPER HERO MP 2021
SUPER HERO IND 2021
खोज रहें हैं, उन्हें समाज, राष्ट्र के सामने लाना और
सम्मान दिलवाना, आपका-हमारा सयुंक्त प्रयास रहेगा।

Contact: Editorial Desk (Lifestyle),
ITDC News, 9826 220022
Email: responseitdc@gmail.com

PRESS ITDC ITDC NEWS
www.itdcindia.com

न्यूज ब्रीफ

चौथी तिमाही के परिणाम के बाद पीएनबी का शेयर 11 फीसदी से अधिक टूटा

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र के पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) का शेयर बृहस्पतिवार को 11 फीसदी से अधिक टूट गया। मार्च 2022 को खत्म हुई तिमाही में पीएनबी के एकल शुद्ध लाभ में 66 फीसदी की गिरावट आई थी। पीएनबी का शेयर बीएसई और एनएसई पर 11.17 फीसदी गिरकर 52 हफ्ते के निचले स्तर 29.40 रुपये पर पहुंच गया। बुधवार को पीएनबी का मार्च, 2022 में समाप्त बीते वित्त वर्ष की चौथी तिमाही का एकल शुद्ध लाभ 66 प्रतिशत घटकर 202 करोड़ रुपये रह गया था। इससे पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में बैंक ने 586 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ कमाया था। शेयर बाजारों को भेजी सूचना में बैंक ने बुधवार को कहा था कि तिमाही के दौरान उसकी कुल एकल आय 21,095 करोड़ रुपये रही, जो एक साल पहले समान अवधि में 21,386 करोड़ रुपये थी।

जेएसडब्ल्यू इंफ्रास्ट्रक्चर ने पारादीप टर्मिनल पर परिचालन शुरू किया

नई दिल्ली। जेएसडब्ल्यू इंफ्रास्ट्रक्चर ने ओडिशा के 'पारादीप ईस्ट की' कोल टर्मिनल पर वाणिज्यिक परिचालन शुरू कर दिया है। इस टर्मिनल को करीब सज्जन जिंदल के अगुवाई वाली कंपनी ने बृहस्पतिवार को एक बयान में बताया कि पारादीप बंदरगाह पर पूरी तरह से यंत्रीकृत इस टर्मिनल की वार्षिक क्षमता 3 करोड़ टन है। यहां प्रतिदिन 25 रैक उतारी जा सकेगी और दो पोतों पर एक ही साथ लदान भी किया जा सकेगा। जेएसडब्ल्यू इंफ्रा के संयुक्त प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी अरुण माहेश्वरी ने बताया कि इस कोल टर्मिलन की शुरुआत होने से कंपनी की वर्तमान मालवाहक क्षमता बढ़कर 15 करोड़ टन प्रतिवर्ष हो गई है और इसे 2023-24 तक 200 करोड़ टन प्रतिवर्ष करने का लक्ष्य है। जेएसडब्ल्यू इंफ्रास्ट्रक्चर जेएसडब्ल्यू समूह की कंपनी है और यह देश की पांच शीर्ष बंदरगाह कंपनियों में से एक है। इसके नौ बंदरगाह पूर्वी, पश्चिमी और दक्षिणी तटों पर हैं और कंपनी संयुक्त अरब अमीरात में भी एक टर्मिनल का परिचालन करती है।

केपीटीएल, अनुषंगियों को 4,474 करोड़ रुपये के ऑर्डर मिले

नई दिल्ली। कल्पतरु पॉवर ट्रांसमिशन लिमिटेड (केपीटीएल) और इसकी अनुषंगियों को ऊर्जा एवं अवसंरचना क्षेत्र की कंपनी केपीटीएल ने एक बयान में कहा कि उसे और उसकी अनुषंगियों को 4,474 करोड़ रुपये के नए ऑर्डर मिले हैं। इनमें ऊर्जा पारेषण व्यवसाय के भारत और अंतरराष्ट्रीय बाजारों से मिले 1,957 करोड़ रुपये के ऑर्डर, भारत और पश्चिम एशिया से मिली 169 करोड़ रुपये की तेल एवं गैस पाइपलाइन परियोजनाएं शामिल हैं। कंपनी ने कहा कि उसकी अनुषंगी जेएमसी को भारत में 2,193 करोड़ रुपये की जल आपूर्ति परियोजनाएं और दक्षिण भारत में 155 करोड़ रुपये की अन्य परियोजनाएं मिली हैं। केपीटीएल के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनीष मोहनोत ने कहा, ''ये नए ऑर्डर उच्च वृद्धि वाले कारोबारों में अपनी स्थिति मजबूत करने के लिहाज से हमारे लिए मददगार होंगे।''

नोवेलिस लगाएगी 2.5 अरब डॉलर

नई दिल्ली

आदित्य बिड़ला समूह की कंपनी नोवेलिस अमेरिका के बे मिनेटी, अलबामा में रीसाइक्लिंग और रोलिंग संयंत्र लगाने के लिए 2.5 अरब डॉलर का निवेश करेगी। विदेश में एकदम नया संयंत्र लगाने के लिए किसी भारतीय कंपनी की यह अब तक की सबसे बड़ी परियोजना होगी। टाटा, बिड़ला, अदाणी समूह, रिलायंस इंडस्ट्रीज और सार्वजनिक क्षेत्र की तेल कंपनियों द्वारा विदेश में खदान, तेल एवं गैस क्षेत्र तथा कंपनियों को खरीदने पर अरबों डॉलर का निवेश किया गया है। लेकिन नोवेलिस विदेश में नया संयंत्र स्थापित करने पर 2.5 अरब डॉलर खर्च करने वाली भारतीय स्वामित्व वाली पहली कंपनी है।

इस साल जनवरी में एस्सार समूह ने ब्रिटेन की प्रोग्रेसिव एनर्जी के साथ संयुक्त उपक्रम बनाने और स्टैनलो रिफाइनरी परिसर में हाइड्रोजन उत्पादन संयंत्र स्थापित करने के लिए 1.34 अरब डॉलर निवेश करने की घोषणा की थी। इस कंपनी में एस्सार की 90 फीसदी हिस्सेदारी होगी। वर्ष 2015 में टाटा मोटर्स के स्वामित्व वाली जगुआर लैंडरोवर ने स्लोवाकिया में कार का नया संयंत्र लगाने के लिए 2 अरब डॉलर निवेश की घोषणा की थी। आदित्य बिड़ला समूह के चेयरमैन कुमार मंगलम बिड़ला ने कहा, %यह आदित्य बिड़ला समूह की सबसे बड़ी ग्रीनफील्ड परियोजना है और इसके साथ ही अमेरिका में समूह के कुल कारोबार का निवेश बढ़कर 14 अरब डॉलर से अधिक हो जाएगा।% उन्होंने कहा, %नोवेलिस जिस बाजार में भी मौजूद है, वहां हम निवेश करना जारी रखेंगे- चाहे वह पेय पदार्थों के लिए कैन हों या ऑटोमोटिव अथवा एयरोस्पेस से जुड़े उत्पाद हों।% हिंडाल्को ने 2007 में 6 अरब डॉलर में नोवेलिस का अधिग्रहण किया था। 2020 में नोवेलिस ने प्रतिस्पर्द्धी कंपनी अलेरिस कॉर्प का अधिग्रहण 2.8 अरब डॉलर में किया था, जिसमें उस कंपनी का कर्ज भी शामिल था। हिंडाल्को की इस सहायक इकाई के पास बेहद उन्नत गुणवत्ता वाले संयंत्र हैं, जहां सालाना 6,000 टन तैयार एल्युमीनियम बन सकता है। बिड़ला ने कहा, %नोवेलिस ग्राहकों को कम कार्बन, टिकाऊ एल्युमीनियम समाधान की आपूर्ति करने में सफल रही है और हम इस निवेश के साथ अपनी सफलता की कहानी को जारी रखेंगे और आगे और भी निवेश किया जाएगा।

नए संयंत्र की आधे से अधिक क्षमता का उपयोग उत्तर अमेरिका में पेय पदार्थों यानी बेवरिज के कैन के वास्ते एल्युमीनियम की बढ़ती मांग पूरी करने के लिए किया जाएगा। वाहन विनिर्माता, एयरोस्पेस से लेकर बेवरिज कंपनियां प्लास्टिक या अन्य धातुओं की जगह टिकाऊ पैकेजिंग का उपयोग कर रही है, जिससे एल्युमीनियम की मांग बढ़ रही है।

नोवेलिस के अध्यक्ष एवं मुख्य कार्याधिकारी स्टीव फिशर ने कहा, %यह निवेश अपने ग्राहकों की बढ़ती जरूरतों और कम कार्बन तथा उच्च गुणवत्ता वाले एल्युमीनियम समाधान मुहैया कराने की हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

सऊदी अरामको ने एपल को पछाड़ा

दुनिया की सबसे वैल्यूएबल कंपनी बनी सऊदी अरामको

2.42 ट्रिलियन डॉलर हुआ वैल्यूएशन

नई दिल्ली

एपल इंक को पछाड़कर सऊदी अरामको दुनिया की सबसे वैल्यूएबल कंपनी बन गई है। इसका कारण कच्चे तेल की कीमतों में आई तेजी है। तेल की कीमतों में बढ़ोतरी से अरामको के शेयरों में तेजी आई है और महंगाई के कारण तकनीकी शेयरों में गिरावट। सऊदी अरेबियन नेशनल पेट्रोलियम एंड नेचुरल गैस कंपनी दुनिया की सबसे बड़ी ऑइल प्रड्यूसिंग कंपनी है।

अरामको का वैल्यूएशन 2.42 ट्रिलियन डॉलर

शेयरों की कीमत के आधार पर सऊदी अरामको का वैल्यूएशन 2.42 ट्रिलियन डॉलर हो गया है। वहीं एपल के शेयरों की कीमत में पिछले एक महीने में गिरावट देखी गई है। इस कारण बुधवार को इसका वैल्यूएशन

2.37 ट्रिलियन डॉलर हो गया। इस साल के पहले तीन महीनों में मजबूत कंज्यूमर डिमांड के कारण एपल ने उम्मीद से बेहतर मुनाफा कमाया है, फिर भी कंपनी के शेयरों की कीमतों में गिरावट आई है।

एपल का वैल्यूएशन 3 ट्रिलियन डॉलर था

इस साल की शुरुआत में एपल की मार्केट वैल्यू 3 ट्रिलियन डॉलर थी, जो अरामको से लगभग 1 ट्रिलियन डॉलर ज्यादा है। तब से एपल का शेयर 20 फीसदीसे ज्यादा टूटा है जबकि अरामको 28 फीसदी से ज्यादा चढ़ा है। हालांकि एपल अमेरिकी कंपनियों में सबसे बड़ी कंपनी बनी हुई है। दूसरे नंबर पर माइक्रोसॉफ्ट कॉर्प है जिसका मार्केट कैप 1.95 ट्रिलियन डॉलर है। एक्सपर्ट्स के मुताबिक महंगाई की चिंताओं के कारण टेक शेयरों में इस साल गिरावट आई है।

अरामको को महंगाई और टाइट सप्लाई का फायदा

टॉवर ब्रिज एडवाइजर्स के चीफ इन्वेस्टमेंट ऑफिसर जेम्स मेयर ने कहा, %आप एपल की तुलना सऊदी अरामको से उनके बिजनेस या फंडामेंटल्स से नहीं कर सकते हैं, लेकिन कमोडिटी स्पेस के लिए आउटलुक में सुधार हुआ है।% इस स्पेस को महंगाई और टाइट सप्लाई का फायदा मिला है। अरामको का नेट प्रॉफिट 2020 की तुलना में 2021 में 124 फीसदी बढ़कर 110.0 अरब डॉलर हो गया था। 2020 में ये 49.0 अरब डॉलर था।

एसएंडपी 500 एनर्जी सेक्टर 40 फीसदी बढ़ा

ब्रेंट क्रूड ऑइल की कीमतों में तेजी के कारण एसएंडपी 500 एनर्जी सेक्टर इस साल 40 फीसदी बढ़ा है। ब्रेंट क्रूड साल की शुरुआत में लगभग 78 डॉलर प्रति बैरल था जो बढ़कर 108 डॉलर हो गया है। इस साल एसएंडपी 500 में सबसे बेहतर परफॉर्म करने वाले स्टॉक में ऑक्सिडेंटल पेट्रोलियम कॉर्प है। इसमें 100 फीसदी से ज्यादा की तेजी आई है। इस साल की शुरुआत में इसकी कीमत 31 डॉलर के करीब थी जो अब 60 डॉलर के पार पहुंच गई है।

होटल इंड्रस्ट्री के सुधरे हालात

ताबड़तोड़ शादियों और छुट्टी से 2 साल बाद होटलों के 60 फीसदी रूम हुए बुक

जनवरी में 40 फीसदी भी नहीं भर रहे थे होटल

नई दिल्ली

देश की होटल इंडस्ट्री एक बार फिर गुलजार हो गई है। मार्च में दो साल बाद ऑक्यूपेंसी 60 फीसदी से ऊपर निकल गई और बाद के महीनों में कमरे इससे ज्यादा भरने की संभावना है। शादियों और छुटि्ट्यों के सीजन से इस इंडस्ट्री को सहारा मिल रहा है। एचवीएस एनारॉक की एक रिपोर्ट के मुताबिक ओमिक्रॉन के असर से इस साल जनवरी में होटल इंडस्ट्री की ऑक्यूपेंसी 40 फीसदी से नीचे चली गई थी। लेकिन फरवरी में ऑक्यूपेंसी 55 फीसदी तक पहुंच गई थी। फिर मार्च में हालात ज्यादा बेहतर हुए और ऑक्यूपेंसी 61 फीसदी पर पहुंच गई। मार्च 2020 के बाद यह पहला मौका है, जब होटल इंडस्ट्री का बिजनेस इस लेवल पर पहुंचा है।

2020 के मुकाबले अब भी कमाई कम

ICICI सिक्युरिटीज के रिसर्च एनालिस्ट अधिदेव चट्?टोपाध्याय के मुताबिक मार्च में होटलों का औसत प्रति कमरा किराया 5,500 रुपए रहा, जो फरवरी 2020 में प्रति कमरा किराये का 83 फीसदी है। मार्च में होटलों की प्रति कमरा आय भी 3,355 रुपए रही, जो फरवरी 2020 में हो रही आय का 69 फीसदी है।

होटल इंडस्ट्री में तेजी की वजह

- देश में कोविड के मामलों में कमी, पाबंदियां खत्म।
- वर्क फ्रॉम होम की जगह दफ्तरों से काम शुरू होना और इसके चलते मीटिंग-एसेंबली आदि होना।
- अंतरराष्ट्रीय फ्लाइटों की नियमित उड़ानें शुरू होने से विदेशी पर्यटकों की आवाजाही बढ़ना।
- कोरोना महामारी और लॉकडाउन की वजह से बड़े पैमाने पर टली शादियां होना।

20 लाख रुपए से अधिक के नगद लेन-देन पर देनी होगी पैन या आधार की जानकारी, 26 मई से लागू होंगे नए नियम

नई दिल्ली

बैंक या पोस्ट ऑफिस में पैसों के लेन-देन को लेकर सरकार ने नए नियम बनाए हैं। नए नियमों के मुताबिक किसी वित्त वर्ष में किसी बैंक या पोस्ट ऑफिस में 20 लाख रुपए या इससे अधिक की नगदी जमा करने पर पैन और आधार देना जरूरी होगा।

सेंट्रल बोर्ड ऑफ डायरेक्ट टैक्सेज ने इनकम टैक्स (15वां संशोधन) रूल्स, 2022 के तहत नए नियम तैयार किए हैं जिसकी अधिसूचना 10 मई 2022 की तारीख में जारी हुई है। हालांकि ये नए नियम 26 मई से लागू होंगे।

इन ट्रांजैक्शन में पैन या आधार की डिटेल्स देना जरूरी

एक वित्त वर्ष में किसी एक बैंकिंग कंपनी या एक कॉरपोरेटिव बैंक या किसी एक पोस्ट ऑफिस में एक या एक से अधिक खाते में नगद 20 लाख रुपए जमा करने पर।

एक वित्त वर्ष में किसी एक बैंकिंग कंपनी या एक को-ऑपरेटिव बैंक या एक पोस्ट ऑफिस में किसी एक या एक से अधिक खाते से 20 लाख रुपए की नगद निकासी पर।

बैंकिंग कंपनी, को-ऑपरेटिव बैंक या पोस्ट ऑफिस में चालू खाता या कैश क्रेडिट अकाउंट खोलने पर।

अब किसी को भी करंट अकाउंट खोलने के लिए अपना पैन कार्ड दिखाना होगा। वहीं जिन लोगों का बैंक अकाउंट पहले से भी पैन से लिंक हैं, लेकिन लेनदेन के समय उन्हें भी इस नियम का पालन करना होगा।

आईपीओ फाइलिंग को गोपनीय बनाने पर विचार

नई दिल्ली

भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) को गोपनीय तरीके से दाखिल करने और निर्गम दस्तावेज पहले से ही दाखिल कराने (प्री-फाइलिंग) की योजना बना रहा है। इस कदम से निर्गम जारी करने वाली कंपनी को राहत मिलेगी और गोपनीयता से जुड़ी चिंता भी दूर हो जाएगी।

उद्योग के भागीदारों ने कहा कि यह व्यवस्था लागू होती है तो पूंजी बाजार को बढ़ावा मिलेगा, प्रक्रिया सुगम होगी और ज्यादा कंपनियां निर्गम लाने के लिए प्रोत्साहित होंगी। हालांकि अभी इस प्रस्ताव पर विचार-विमर्श किया जा रहा और लोगों से प्रतिक्रिया मंगाने के लिए परामर्श पत्र जारी किया गया है।

परामर्श पत्र में सेबी ने आईपीओ लाने वाली कंपनी के लिए निर्गम दस्तावेज पहले से जमा कराने की अनुमति देकर नियामकीय मूल्यांकन के लिए वैकल्पिक व्यवस्था पर राय मांगी है। नियामक ने निर्गम दस्तावेज को केवल

सेबी एवं स्टॉक एक्सचेंजों के पास जमा कराने की अनुमति पर भी प्रतिक्रिया मांगी है और यह प्रारंभिक जांच के लिए सार्वजनिक तौर पर उपलब्ध नहीं होगा। अमेरिका, ब्रिटेन और कनाडा में आईपीओ दस्तावेज की प्री-फाइलिंग और गोपनीय फाइलिंग की व्यवस्था है। हाल के वर्षों में एयरबीएनबी, स्लैक और उबर ने संबंधित नियामकों के पास गोपनीय फाइलिंग के जरिये आईपीओ दस्तावेज जमा कराए थे।

नियामक मौजूदा व्यवस्था में सूचीबद्धता के बारे में कंपनियों की चिंता को भी ध्यान में रख रहा है। फिलहाल आईपीओ वाली कंपनी को सेबी के पास डीआरएचपी जमा कराना होता है। इसमें कंपनी के कारोबार, वित्तीय लेखाजोखा, प्रतिस्पर्धी परिदृश्य आदि का विस्तृत खुलासा करना होता है। सभी डीआरएचपी सेबी के पास जमा कराए जाते हैं और सार्वजनिक तौर पर उपलब्ध होते हैं। सेबी आईपीओ मसौदे (डीआरएचपी) को मंजूरी देने में अमूमन 30 से ज्यादा दिन का समय लेता है। फिर कंपनी को आईपीओ लाने से पहले आरएचपी जमा करना होता है। आईपीओ का समय परिस्थितियों पर निर्भर करता है। कुछ मामलों में निर्गम दस्तावेज जमा कराने और आईपीओ लाने के बीच महीनों का अंतर होता है। कई बार दस्तावेज जमा कराने के बाद आईपीओ योजना टाल दी जाती है। लेकिन दस्तावेज में विशिष्ट खुलासे किए जाते हैं।

इंटीग्रेटेड ट्रेड डेव्हलपमेंट सेंटर न्यूज के लिए मालिक, मुद्रक एवं प्रकाशक राधिका वीरेंद्र, स्वामी- इंटीग्रेटेड ट्रेड डेव्हलपमेंट सेंटर इंडिया ईप्रेस द्वारा साई प्रिंटर्स, 91 जहांगीराबाद भोपाल से मुद्रित करवाकर, श्री परिसर, 23 पश्चिम निशातपुरा, डीआईजी बंगला, भोपाल से प्रकाशित। संपादक- राधिका वीरेंद्र। आरएनआई क्र. MPHIN/2018/77221, फोन- 0755-42223334, पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार। (सभी विवादों का न्यायक्षेत्र भोपाल होगा।)